दैनिक

करंट क्राइम

www.currentcrime.com

सिर्फ सच...

दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

● नई दिल्ली। सोमवार 04 मई -2026 ● वर्ष : 11 अंक : 131 पेज-08 ● RNI NO. DELHI/2015/65364 ● मूल्य : ₹3

पश्चिम बंगाल से लेकर तमिलनाडु तक, मतगणना की तैयारी पूरी

5 राज्यों की 823 सीटों पर फैसला आज

नई दिल्ली। पिछले एक महीने से देश के पांच राज्यों में चुनावी माहौल बना हुआ है। आजा, यानी चार मई को इस लोकतांत्रिक त्योहार का आखिरी दिन है। पिछले एक महीने में कौन किस पर भारी पड़ा, किसने कितनी रैलियां कि इसका पूरा हिसाब होने वाला है। बता दें, असम, केरल और पुडुचेरी में 9 अप्रैल को ही शांतिपूर्ण तरीके से वोटिंग हो गई थी। इसके बाद 23 अप्रैल को तमिलनाडु चुनाव संपन्न हुआ इसके साथ ही पश्चिम बंगाल में पहले चरण की वोटिंग पूरी हुई। इसके बाद 29 अप्रैल को बंगाल की बाकी सीटों पर मतदान हुआ था।

पश्चिम बंगाल में दूसरे दौर के चुनाव में गजब हाई वोल्टेज ड्रामा देखने को मिला है। टीएमसी और भाजपा के कार्यकर्ता आमने-सामने आ गए। केंद्रीय सुरक्षा बलों की तैनाती के बाद भी हालात यहां तक खराब हो गए कि तीन सीटों (डायमंड हार्बर, फलता और मगरहाट-वेस्ट) पर दोबारा मतदान करवाना पड़ा। इसके बाद भी जब व्यवस्था नहीं बनी, तो फलता विधानसभा सीट पर 21 मई को तीसरी

बार मतदान करवाने का ऐलान कर दिया गया। तमाम उठापटक के बाद अब 824 में से 823 विधानसभा सीटों पर मतदान पूर्ण हो चुका है। मतगणना की तैयारी भी पूरी हो चुकी है। अब पूरे देश की निगाहें बंगाल से लेकर तमिलनाडु तक इन विधानसभा सीटों के विजयी प्रत्याशियों पर होंगी। क्योंकि इन राज्यों में किसकी सरकार बनेगी। यही आने वाले पांच सालों तक भारतीय राजनीति की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

4 मई को ईवीएम खुलने से पहले सवाल कई हैं। पहली सवाल तो यही है कि क्या पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी लगातार चौथी बार सत्ता हासिल कर पाएंगी? या भाजपा पहली बार इस राज्य में अपना भगवा परचम लहरा देगी।

सीएम योगी बोले: यूपी ने बनाया 9 साल में 9 लाख से अधिक नौकरी देने का रिकॉर्ड

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में पिछले नौ वर्षों में 9 लाख से अधिक नौजवानों को सरकारी नौकरी दी गई है। यह किसी भी राज्य में सर्वाधिक नियुक्तियों की प्रक्रिया को सकुशल एवं पारदर्शी तरीके से संपन्न करने का रिकॉर्ड है। सिर्फ अधीनस्थ चयन आयोग इस वर्ष 32 हजार से अधिक नियुक्तियों की प्रक्रिया संपन्न करेगा। शिक्षा चयन आयोग हजारों शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया पूरी करेगा। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग को लगभग 15 हजार भर्तियां करनी है। इस प्रकार चालू वित्तीय वर्ष (2026-27) में डेढ़ लाख से अधिक सरकारी भर्तियों की प्रक्रिया संपन्न होनी है। प्रक्रिया में किसी प्रकार की सेंध न लगे, इसके लिए सख्त कानून भी बनाया है, जिसके तहत सेंधमारी करने वालों को आजीवन कारावास की सजा और उसकी पूरी संपत्ति को जब्त किया जाता है।

ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को लोक भवन में उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग के लिए नवचयनित 357 कनिष्ठ विश्लेषकों (औषधि) तथा चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के नवचयनित 252 दंत स्वास्थ्य विज्ञानियों को नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम में कहीं। अपने संबोधन के पहले मुख्यमंत्री ने नवचयनित अभ्यर्थियों को नियुक्त पत्र वितरित किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले लगभग हर नियुक्ति प्रक्रिया पर कहीं न कहीं कोर्ट स्टे लगते थे, न्यायालय से कड़ी टिप्पणियां मिलती थीं।

युवाओं के सपने का टूटना आने वाली पीढ़ियों के भविष्य के साथ धोखा

मुख्यमंत्री ने कहा कि हर माता-पिता की इच्छा होती है कि उनका बच्चा अच्छी शिक्षा प्राप्त कर एक सुरक्षित और बेहतर भविष्य की ओर आगे बढ़े। इसके लिए वे हरसंभव प्रयास करते हैं, लेकिन जब अपेक्षित परिणाम नहीं मिलते, तो न केवल उस युवा के सपने टूटते हैं, बल्कि उसके माता-पिता और परिवार से जुड़े अन्य लोगों की उम्मीदें भी चकनाचूर हो जाती हैं। किसी युवा के सपनों का टूटना केवल एक व्यक्ति के साथ अन्याय नहीं है, बल्कि यह आने वाली पीढ़ियों के भविष्य के साथ धोखा है। उत्तर प्रदेश की बीमारू राज्य के रूप में पहचान बनाने में चयन प्रक्रियाओं में भेदभाव, बेईमानी और भ्रष्टाचार की भूमिका थी। भर्ती प्रक्रियाओं में अनियमितताएं इतनी अधिक थीं कि न्यायालय को बार-बार हस्तक्षेप करना पड़ता था।

प्रदेश संगठन महामंत्री धर्मपाल दे गये गाजियाबाद वाली बैठक में ये निर्देश

10 दिन में पूरी तरह से दुरुस्त कर लिये जाएं सभी बूथों के बेस

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। भाजपा चुनावी रणनीति पर काम कर रही है। वो पहले ही इस बात को कह चुकी है कि वर्ष 2025-26 में संगठन की जितनी भी नियुक्तियां हैं वो सब चुनावी रणनीति से जुड़ी हैं। सीधा सा संदेश ये है कि मंडल अध्यक्ष से लेकर बूथ अध्यक्ष तक भाजपा अपनी इलेक्शन आर्मी तैयार कर रही है।

रविवार को इसकी बानगी वोल्गा पैलेस में आयोजित कार्यसमिति की बैठक में दिखाई दी। इस बैठक में भाजपा के प्रदेश संगठन महामंत्री धर्मपाल आए। इस बैठक में क्षेत्रीय अध्यक्ष सतेंद्र शिशौदिया मौजूद रहे। महानगर अध्यक्ष मौजूद रहे और सभी पदाधिकारी मौजूद रहे। ये कार्य समिति की बैठक थी और इस बैठक में प्रदेश संगठन महामंत्री धर्मपाल ने सीधे-सीधे निर्देश दिये कि दस दिन में सभी बूथों को पूरी तरह दुरुस्त कर लिया जाए। रविवार को पश्चिमी उत्तर प्रदेश की इस बैठक में मंडल प्रवासी मौजूद थे। महानगर की टीम के सारे पदाधिकरी मौजूद थे। बैठक मुख्य रूप से मंडल सुधार पर केंद्रित रही। सूत्र बताते हैं कि प्रदेश संगठन महामंत्री की कार्यशाला में कई विषयों पर चिंतन हुआ, मंथन हुआ और इसमें ये स्पष्ट निर्देश दिये गये कि मंडल से लेकर बूथ तक सुधार होना है।

प्रदेश संगठन महामंत्री ने 10 दिन का टास्क देते हुए सभी प्रभारियों को, प्रवासियों को ये आदेश दिया कि 10 दिन के भीतर मंडल और बूथ की खामियों को दूर कर लिया जाए। सूत्र बताते हैं कि प्रदेश स्तर से बूथों को लेकर मॉनिटरिंग हुई थी। जिसमें ये चेक किया गया था कि जो बूथ अध्यक्ष बनाएं हैं उनका सत्यापन हो गया है या नहीं, कौन बूथ अध्यक्ष एक्टिव है और कौन बूथ अध्यक्ष एक्टिव नहीं है, ये भी मॉनिटर किया गया है कि कौन बूथ अध्यक्ष केवल कागजों पर ही दिखाई दे रहे हैं। सूत्र बताते हैं कि एक मॉनिटरिंग में गाजियाबाद की स्थिति अच्छी पाई गई है और यहां पर महानगर का ट्रेक रिकॉर्ड दुरुस्त मिला है। अब प्रदेश संगठन महामंत्री ने सभी को दस दिन का समय देते हुए कहा है कि दस दिन के भीतर सभी बूथों को दुरुस्त कर लिया जाए।

माना जा रहा है कि भाजपा अब अपने मजबूत अभियान का संदेश अपने बूथ से देना चाहती है। वर्किंग का ढांचा भी इस तरह से बनाया गया है कि जब भी मॉनिटरिंग हो तो सबसे मजबूत भाजपा का बूथ मिले उसके बाद मंडल की स्थिति मजबूत हो। सूत्र बताते हैं कि बूथ को लेकर भाजपा संगठन गंभीर है और यहां तक निर्देश दिये गये है कि अगर कोई बूथ अध्यक्ष काम नहीं कर रहा है तो उन्हें बदल दिया जाए।

मंडल का पदाधिकारी ही बनेगा मंडल का प्रवासी

करंट क्राइम। प्रदेश संगठन महामंत्री की कार्यशाला में बूथ को लेकर टास्क दिया गया है और इसे पूरा करने के लिये दस दिन का समय दिया गया है। सूत्र बताते हैं कि रविवार वाली कार्यशाला में जहां मंडल सुधार को लेकर चर्चा हुई वहीं ये भी स्पष्ट कर दिया गया कि मंडल का ही पदाधिकारी मंडल प्रवासी बनेगा। इस बार नाम में भी परिवर्तन होगा और मंडल प्रवासी को मंडल सुधार प्रवासी कहा जाएगा। ये इसलिये कहा जाएगा कि मंडल सुधार प्रवासी ही मंडल में मौजूद खामियों को दूर करेगा। दस दिन के टारगेट में सभी अपसेट चीजो को सेट करने के निर्देश दिये गये हैं।

पूर्व मंत्री डीपी यादव ने जब अपने शब्दों से दिया मंच पर संघर्ष का एक संदेश

बोले उस दिये से पूछना मेरा पता मिल जायेगा

गाजियाबाद करंट क्राइम। पूर्व मंत्री डीपी यादव से भविष्य की राजनीति एवं रणनीति पर चर्चा करते हुए दैनिक करंट क्राइम के समाचार संपादक दीपक भाटी।

गाजियाबाद, करंट क्राइम। राजनीति में कुछ लोग अपने आप में एक सख्सियत बन जाते हैं। समय का उतार चढ़ाव सभी के जीवन में आता है। परन्तु संघर्षशाली व्यक्तिव हमेशा अपनी ऊर्जा के साथ खुद को स्थापित रखते हैं, वो कभी विचलित नहीं होते और उनकी राजनीति का दौर और उनका अंदाज हमेशा उन्हें युवा रखता है। यहां बात 75 वर्षीय डीपी यादव की हो रही है। डीपी यादव उत्तर प्रदेश की राजनीति का वो नाम हैं जो पंचायत राज्यमंत्री रहे हैं। वो एक ऐसा नाम हैं जो गाजियाबाद से लेकर संभल और

बंदायुं तक अपनी एक पहचान रखता है। राजनीति का एक पूरा दौर उन्होंने देखा है। आज भी वो कई युवाओं के आदर्श हैं और सबसे बड़ी बात ये है कि राजनीति में संघर्ष के साथ खुद को कैसे जीवित रखा जाता है इसकी मिसाल उन्होंने एक मंच से दी।

मौका जिंदल पब्लिक स्कूल में आयोजित कराटे प्रतियोगिता का था। यहां पूर्व मंत्री डीपी यादव मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे। डीपी यादव जब यहां पहुंचे तो बम्हैटा गांव के युवा, बुजुर्ग और कई परिवार उनसे गर्मजोशी से मिले। वो राजनीति की पुरानी सख्सियत हैं। पूर्व मंत्री डीपी यादव ने जब माईक संभाला तो सबसे पहले उन्होंने खिलाड़ियों को मोटिवेट किया। इसके बाद उन्होंने खिलाड़ियों से कहा कि हमेशा अभ्यास जारी रखें, निरंतरता जारी रहे और एक दिन सफलता अवश्य मिलती हैं। उन्होंने कहा कि परिस्थितियां हमेशा एक सी नहीं रहती। फिर उन्होंने मंच से जो शब्द कहे वो उनकी सियासत की फिलोसफी को बता रहे थे। 'उन्होंने कहा कि आंधियों की भीड़ में जो जलता हुआ दिख जायेगा, उस दिये से पूछना मेरा पता मिल जायेगा।' ये शब्द एक संघर्षशील व्यक्तिव के सफर को बता रहे थे। इन शब्दों से उन्होंने ये बताया कि जीवन में परिस्थितियों की आंधी कितनी भी तेज हो लेकिन आपकी हिम्मत का, साहस का और आत्मबल का दीपक हमेशा जलते रहना चाहिए। डीपी यादव वास्वत में एक संघर्षशील नेता रहे हैं। वो इस आयु में भी केवल तीन घंटे की नींद लेते हैं। उनका भोजन और जीवन शैली बहुत संयम वाली है। डीपी यादव गाजियाबाद की राजनीति में उन चेहरों में हैं जिनके घर का पता ऑटो चालक से लेकर आम आदमी बता देता है। लोगों को वो दौर याद होगा जब डीपी यादव की कोठी एक लैन्डमार्क हुआ करती थी। अब डीपी यादव फिर से एक्टिव हो रहे हैं। कुछ दिन पहले वो अम्बेडकर पार्क में भी आये। वो संघर्षशील राजनीति का चेहरा हैं। सबसे खास बात ये है कि वो हमेशा अपने साथियों को याद रखते हैं। मोबाईल नम्बर तक उन्हें जुबानी याद है। राजनीति की गंगा में भले ही कितना पानी बह गया है लेकिन संघर्ष की एक कहानी, एक दास्तांन खुद डीपी यादव हैं। एक अरसा गुरजने के बाद भी उनके चेहरे पर वही नूर है, उनकी वही शैली है।

राष्ट्रीय परिवर्तन दल से क्या होगा चुनावी शंखनाद

करंट क्राइम। डीपी यादव राजनीति के पुराने खिलाड़ी हैं। वो प्रदेश सरकार में मंत्री रहे हैं। उनके परिवार के लोगों में एमएलसी और जिलापंचायत अध्यक्ष भी रहे हैं। उन्होंने अपना एक राजनीतिक दल राष्ट्रीय परिवर्तन दल भी बनाया। सूत्र बताते हैं कि 2027 के चुनाव रण में राष्ट्रीय परिवर्तन दल भी मैदान में आ सकता है। गाजियाबाद, बिलसी, सिकन्दराबाद, सहसवान, बिसौली, और बुदांयु से लेकर संभल तक ये दल चुनावी दस्तक दे सकता है। जिस तरह से पूर्व मंत्री डीपी यादव ने खुद को सियासी रूप से एक्टिवेट किया है, वो एक्टिवेशन बता रहा है कि तार इलैक्शन से जुड़ रहे हैं।

लोकतंत्र का संतुलन तंत्र: स्वतंत्र प्रेस और मजबूत विपक्ष की अनिवार्यता: बालेश्वर त्यागी

'महात्मा गांधी का सत्याग्रह आज भी अन्याय के खिलाफ सबसे प्रभावी हथियार'

लेख की पांच प्रमुख बातें

1 प्रेस स्वतंत्रता लोकतंत्र की रीढ़
सच को सामने लाने वाली प्रेस न केवल जनभावनाओं को अभिव्यक्ति देती है बल्कि जनमत बनाकर अन्याय के खिलाफ ताकत खड़ी करती है।

2 सच से असहज समाज की विडंबना
समाज अक्सर सच सुनने और स्वीकार करने से बचता है, और सच बोलने वालों को दबाने या खरीदने की कोशिश करता है।

3 आपातकाल: प्रेस पर सबसे बड़ा प्रहार
भारत में इमरजेंसी 1975-1977 के दौरान प्रेस पर सेंसरशिप लगाकर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को गंभीर रूप से सीमित किया गया।

4 मीडिया पर प्रभाव का नया तरीका
अरविंद केजरीवाल के उदाहरण से यह आरोप उभरता है कि सरकारी संसाधनों के जरिए मीडिया को प्रभावित करने की प्रवृत्ति बढ़ी है, जिससे निष्पक्षता पर सवाल खड़े होते हैं।

5 सत्याग्रह और मजबूत विपक्ष की आवश्यकता
महात्मा गांधी का सत्याग्रह आज भी अन्याय के खिलाफ सबसे प्रभावी हथियार है, और लोकतंत्र को मजबूत रखने के लिए एक सक्रिय व जिम्मेदार विपक्ष उतना ही जरूरी है।

गाजियाबाद, करंट क्राइम। प्रेस की स्वतंत्रता सदैव से बड़ा महत्वपूर्ण विषय रहा है। प्रेस ने जब भी सच को उजागर किया है, उससे न केवल लोकतंत्र मजबूत हुआ है बल्कि अत्याचार और अन्याय घटा है। प्रेस में छपी खबरों से न केवल जनभावनाओं की अभिव्यक्ति होती है बल्कि जनमत भी बनता है। जनमत में वह बड़ी ताकत है जो तानाशाह को भी धूल धूसरित करने की शक्ति रखता है। जिसने भी लोकतंत्र को मजबूत करने का प्रयास किया उसने प्रेस की स्वतंत्रता पर सदैव बल दिया है। यूएनओ ने तीन मई को प्रेस की स्वतंत्रता दिवस घोषित किया है। जब भी लोगों ने लोक कल्याण के दृष्टिकोण से विचार किया तो उनका यही निष्कर्ष निकलता है कि एक अच्छे और स्वस्थ समाज के लिए प्रेस की स्वतंत्रता आवश्यक है।

हम कितने पाखंडी हैं, हम न सच सुनना चाहते हैं और न सच जानना चाहते हैं। जो सच को उजागर करना चाहता है, उसका मुंह बंद करना चाहते हैं। अगर कोई बार बार मुंह खोलता है, वह सच बोलता है जो हमें पसंद नहीं है तो पहले तो हम उसको उपकृत करके उसका मुंह बंद करने का प्रयास करते हैं और अगर वह फिर भी नहीं मानता है तो हम डंडे से उसका मुंह बंद करने का प्रयास करते हैं। हमने आपात काल देखा है उसमें दो ही वर्गों को सबसे अधिक प्रताड़ना मिली, एक विपक्ष और दूसरे प्रेस। प्रेस पर सेंसरशिप लगा दी गई। क्या छपना है, क्या नहीं छपना है, इसके लिए समाचार पत्रों के दफ्तरों में अधिकारी बैठा दिए गए जिनकी स्वीकृति के बाद ही समाचार छप पाते थे।

वर्तमान समय में अरविंद केजरीवाल जी ने देश के नेताओं को एक बड़ी दिशा दिखाई। सरकारी पैसे के बल पर कैसे मीडिया को खरीदा जा सकता है? ये केजरीवाल जी से ही नेताओं ने सीखा है। जनता के टैक्स का पैसा कैसे बेशर्मी और बेदर्दी के साथ मीडिया को खरीदने पर व्यय किया जाता है, इस रास्ते की खोज का श्रेय केजरीवाल जी को ही जाता है। अब ये सभी के लिए सहज और सुलभ मार्ग बन गया है। केवल समाचार पत्र ही नहीं टीवी चैनल और सोशल मीडिया भी उपकृत किए जा सकते हैं।

बहुत सारे राजनेता समाचार पत्रों से तो अपेक्षा करते हैं कि समाचार पत्र भी विपक्ष की भूमिका का निर्वाह करें। लेकिन स्वयं विपक्ष की भूमिका का निर्वाह करने से बचते हैं। समाचार पत्रों को गाली देते हैं, कि वे समाचार प्रकाशित नहीं करते। अफसर शाही को गाली देते हैं कि अफसर मार पीट करके जेल में डाल देते हैं। लेकिन भूल जाते हैं कि आप गांधी जी से सहमत हों या न हों लेकिन ये सच्चाई है कि इस देश को ही नहीं सारी दुनिया के कमजोर लोगों को महात्मा गांधी ने एक ऐसा हथियार दिया जिससे बड़े से बड़े तानाशाह से भी लड़ा जा सकता है।

वह हथियार है - सत्याग्रह। सत्य के लिए आग्रह। इसमें भीड़ की भी आवश्यकता नहीं है। आप अकेले भी अन्याय के विरुद्ध आवाज बुलंद कर सकते हैं। बस इसके लिए हौसला चाहिए। संघर्ष करने का जज्बा चाहिए। दक्षिणी अफ्रीका में जब गांधी को अंग्रेज ने रेल के डिब्बे से नीचे गिराया था तब गांधी एक वकील था। और जब गांधी वहां उठा तो वह अन्याय और अत्याचार से लड़ने वाला संघर्षशील महात्मा गांधी था, सच के लिए लड़ने वाला निर्भीक सत्याग्रही था।

जो राजनेता मीडिया की भूमिका को लेकर बहुत चिंतित हैं, उन्हें अपनी भूमिका की भी समीक्षा करनी चाहिए. लोकतंत्र को बचाने का दायित्व उनका भी है। लोक तंत्र में विपक्ष की भूमिका जितनी प्रभावी होगी लोकतंत्र उतना ही मजबूत होगा।

यूपी में रोजगार की रफ्तार तेज, 9 लाख नौकरियां देकर बना रिकॉर्ड

सीएम बोले-भ्रष्ट भर्ती सिस्टम खत्म, अब मेरिट को मिल रहा हक

एक साल में डेढ़ लाख भर्तियों का लक्ष्य, कई आयोग जुटे प्रक्रिया में

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में पिछले नौ वर्षों में 9 लाख से अधिक नौजवानों को सरकारी नौकरी दी गई है। यह किसी भी राज्य में सर्वाधिक नियुक्तियों की प्रक्रिया को सकुशल एवं पारदर्शी तरीके से संपन्न करने का रिकॉर्ड है। सिर्फ अधीनस्थ चयन आयोग इस वर्ष 32 हजार से अधिक नियुक्तियों की प्रक्रिया संपन्न करेगा।

शिक्षा चयन आयोग हजारों शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया पूरी करेगा। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग को लगभग 15 हजार भर्तियां करनी है। इस प्रकार चालू वित्तीय वर्ष (2026-27) में डेढ़ लाख से अधिक सरकारी भर्तियों की प्रक्रिया संपन्न होनी है। प्रक्रिया में किसी प्रकार की सेंध न लगे, इसके लिए सख्त कानून भी बनाया है, जिसके तहत सेंधमारी करने वालों को आजीवन कारावास की सजा और उसकी पूरी संपत्ति को जब्त किया जाता है। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को लोक भवन में उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग के लिए नवचयनित 357 कनिष्ठ विश्लेषकों (औषधि) तथा चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के नवचयनित 252 दंत स्वास्थ्य विज्ञानियों को नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम में कहीं। अपने संबोधन के पहले मुख्यमंत्री ने नवचयनित अभ्यर्थियों को नियुक्त पत्र वितरित किए। फर्जी डिग्री वाले लोग करते थे चयन प्रक्रिया का नेतृत्व

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले लगभग हर नियुक्ति प्रक्रिया पर कहीं न कहीं कोर्ट स्टे लगते थे, न्यायालय से कड़ी टिप्पणियां मिलती थीं। स्थिति यह थी कि जो व्यक्ति पात्र नहीं था, वह भी आयोग का चेयरमैन बन जाता था।

यहां तक कि फर्जी डिग्री वाले लोग चयन प्रक्रिया का नेतृत्व कर रहे थे। पैसे के लेनदेन के कारण भर्तियां प्रभावित होती थीं और योग्य उम्मीदवारों को अवसर नहीं मिल पाता था। वर्तमान समय में कई युवा उस दौर से अनभिज्ञ हैं, क्योंकि वे तब नाबालिग थे। वर्ष 2017 के बाद भर्ती प्रक्रियाओं को पारदर्शी और निष्पक्ष बनाया गया है। इसका परिणाम यह है कि अब तक पुलिस विभाग में 2,20,000 से अधिक भर्तियां सफलतापूर्वक की जा चुकी हैं। गत 9 वर्षों में हम लोगों ने निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से रिकॉर्ड 9 लाख से अधिक युवाओं की भर्तियां कीं। आज औषधि विभाग के पास जांच के लिए मंडल स्तर पर ए ग्रेड की लैब मौजूद सीएम ने कहा कि अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा 4 और 6 मई को नियुक्त पत्र वितरिण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। ये लगातार चलेगा। सरकार बिना भेदभाव पिछले नौ वर्षों में कोरोना महामारी के बावजूद प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय तीन गुना करने में सफल रही है।

प्रदेश में आज देश का सबसे अच्छा इंफ्रास्ट्रक्चर, एक्सप्रेसवे, हाइवे आदि मौजूद हैं। आज वे विभाग अच्छा काम कर रहे हैं, जिन्हें पहले लोग जानते तक नहीं थे। लगभग हर जनपद में मेडिकल कॉलेज हैं, दो एम्स कार्यरत हैं। 2017 से पहले सब भगवान भरोसे था, परिणाम भी उसी प्रकार से आते थे।

युवाओं के सपने का टूटना आने वाली पीढ़ियों के भविष्य के साथ धोखा

मुख्यमंत्री ने कहा कि हर माता-पिता की इच्छा होती है कि उनका बच्चा अच्छी शिक्षा प्राप्त कर एक सुरक्षित और बेहतर भविष्य की ओर आगे बढ़े। इसके लिए वे हरसंभव प्रयास करते हैं, लेकिन जब अपेक्षित परिणाम नहीं मिलते, तो न केवल उस युवा के सपने टूटते हैं, बल्कि उसके माता-पिता और परिवार से जुड़े अन्य लोगों की उम्मीदें भी चकनाचूर हो जाती हैं। किसी युवा के सपनों का टूटना केवल एक व्यक्ति के साथ अन्याय नहीं है, बल्कि यह आने वाली पीढ़ियों के भविष्य के साथ धोखा है। उत्तर प्रदेश की ह्यबीमारू राज्यह्न के रूप में पहचान बनाने में चयन प्रक्रियाओं में भेदभाव, बेईमानी और भ्रष्टाचार की भूमिका थी। भर्ती प्रक्रियाओं में अनियमितताएं इतनी अधिक थीं कि न्यायालय को बार-बार हस्तक्षेप करना पड़ता था।

दिल्ली हाईकोर्ट का फैसला: आरटीआई से नहीं मिलेगी जीवनसाथी की कमाई की जानकारी, अदालत ने निजी जानकारी बताकर रोका

दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने फैसला दिया कि आरटीआई के जरिए कोई भी व्यक्ति अपने जीवनसाथी की आय या आयकर जानकारी नहीं मांग सकता। कोर्ट ने इसे व्यक्तिगत जानकारी बताते हुए कहा कि यह जनहित के दायरे में नहीं आती, इसलिए सार्वजनिक नहीं की जा सकती।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत कोई भी व्यक्ति अपने जीवनसाथी की आय संबंधी जानकारी हासिल नहीं कर सकता। अदालत ने यह निर्णय एक पत्नी के मामले में दिया, जिसने भरण पोषण के सही निपटारे के लिए यह जानकारी आवश्यक बताई थी। यह जानकारी जनहित से जुड़ी न होने पर व्यक्तिगत श्रेणी में आती है।

न्यायमूर्ति पुरुषेंद्र कुमार कौरव ने स्पष्ट किया कि सूचना का अधिकार अधिनियम की धारा 8(1)(j) के तहत व्यक्तिगत जानकारी को सार्वजनिक करने से छूट प्राप्त है। उच्चतम न्यायालय भी पहले बता चुका है कि किसी व्यक्ति की आयकर संबंधी जानकारी व्यक्तिगत श्रेणी में आती है। उच्च न्यायालय उस याचिका पर सुनवाई कर रहा था, जिसमें पति ने केंद्रीय सूचना आयोग के आदेश को चुनौती दी थी।

केंद्रीय सूचना आयोग ने आयकर विभाग को निर्देश दिया था कि वह पत्नी द्वारा दायर सूचना का अधिकार आवेदन पर पति की वित्तीय वर्ष 2007-2008 की कर योग्य आय का विवरण दे।

अदालत ने 28 अप्रैल को केंद्रीय सूचना आयोग के 2021 के आदेश को कानून की दृष्टि से अस्थिर बताते हुए रद्द कर दिया। न्यायालय ने कहा कि पत्नी द्वारा मांगी गई जानकारी पति की व्यक्तिगत जानकारी है। इसे सार्वजनिक करने का निर्देश नहीं दिया जा सकता, क्योंकि यह किसी बड़े जनहित की श्रेणी में नहीं आती है।

न्यायालय ने बताया कि सूचना का अधिकार अधिनियम का मुख्य उद्देश्य सार्वजनिक प्राधिकरणों के कामकाज में पारदर्शिता लाना है। विधायिका की मंशा ऐसे व्यक्तिगत विवरणों को सार्वजनिक करना नहीं है। इन विवरणों का आम जनता से कोई संबंध नहीं होता है। अधिनियम का दुरुपयोग व्यक्तिगत विवादों को सुलझाने के लिए नहीं किया जा सकता।

पत्नी ने तर्क दिया था कि भरण पोषण मामले के सही निपटारे के लिए पति की आय संबंधी जानकारी आवश्यक है। हालांकि, अदालत ने इस तर्क को स्वीकार नहीं किया। न्यायालय ने कहा कि पत्नी के पास इसके लिए अन्य कानूनी उपाय उपलब्ध हैं। कानून के तहत भरण पोषण मामले में दोनों पक्षों को अपनी आय, संपत्ति और देनदारियों का हलफनामा दाखिल करना होता है। इससे मामले का उचित निपटारा सुनिश्चित होता है।

अखिलेश यादव बोले: जब बिजली के स्मार्ट मीटर में हो सकती है गड़बड़ी तो ईवीएम में क्यों नहीं

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एक प्रेस वार्ता के दौरान भारतीय जनता पार्टी पर तीखे हमले करते हुए उसे झूठ की सोनपापड़ी बनाने वाली पार्टी करार दिया। उन्होंने कहा कि जनता इस बात को बखूबी जानती थी कि चुनाव खत्म होते ही महंगाई का ग्राफ ऊपर जाएगा, और आज वही हो रहा है। अखिलेश ने आरोप लगाया कि भाजपा अपने करीबियों को ज्यादा मुनाफा कमाने से नहीं रोक रही है, जिसके कारण आम जनता महंगाई की मार झेल रही है। स्वामी विवेकानंद के विचारों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि हमें तब तक नहीं रुकना चाहिए जब तक हम अपना लक्ष्य हासिल न कर लें।

सपा प्रमुख ने कहा कि समाजवादी सरकार में बांटे गए लैपटॉप आज भी सुचारू रूप से चल रहे हैं, जिन्हें डिजिटल डिवाइड खत्म करने के उद्देश्य से दिया गया था। सरकारी कार्यशैली पर तंज कसते हुए उन्होंने हरदोई जाने का एक किस्सा सुनाया, जहाँ प्रशासन ने एक्सप्रेस-वे बंद होने की बात कही थी। उन्होंने कहा कि जिस एक्सप्रेस-वे का उद्घाटन खुद प्रधानमंत्री ने किया हो, उसका बंद होना बड़ी बेइज्जती की बात होती। अखिलेश के इस हस्तक्षेप के बाद न केवल एक्सप्रेस-वे खुला, बल्कि कुछ दिनों के लिए उसे मुफ्त भी कर दिया गया।

चुनावों की पारदर्शिता पर सवाल उठाते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि यदि स्मार्ट मीटर में बेईमानी संभव है, तो ईवीएम में गड़बड़ी क्यों नहीं हो सकती? उन्होंने निर्वाचन आयोग को एक निष्पक्ष संस्था बताते हुए भी रामपुर और अन्य उपचुनावों के अनुभवों का जिक्र किया और कहा कि भाजपा भय का माहौल बनाकर चुनाव लड़ती है। पश्चिम बंगाल का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि वहां जनता का चुनाव है और 'दीदी' (ममता बनर्जी) ही वहां बनी रहेंगी।

अंत में उन्होंने रोजगार के मुद्दे पर सरकार को घेरते हुए कहा कि अकेले गोरखपुर में ही हजारों शिक्षकों के पद कम हो गए हैं, जिससे पूरे प्रदेश की चिंताजनक स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है।

स्मार्ट मीटर के खिलाफ सपा आज करेगी प्रदर्शन

राजनगर कार्यालय से कलेक्ट्रेट तक मार्च निकालेंगे सपा कार्यकर्ता, मुख्यमंत्री के नाम सौंपेंगे ज्ञापन

गाजियाबाद करंट क्राइम। समाजवादी पार्टी ने स्मार्ट मीटर के मुद्दे पर प्रदेशभर में आंदोलन तेज करने का ऐलान किया है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर 4 मई 2026 (सोमवार) को गाजियाबाद जिला मुख्यालय पर विरोध प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा।

इस कार्यक्रम के तहत सुबह 11:00 बजे पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता राजनगर स्थित सपा कार्यालय पर एकत्रित होंगे, जहां से जिला मुख्यालय (डीएम कार्यालय) तक मार्च निकाला जाएगा। प्रदर्शन के बाद जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपा जाएगा।

इस विरोध का मुख्य उद्देश्य प्रदेश में लगाए जा रहे स्मार्ट मीटरों को लेकर आम जनता को हो रही समस्याओं को उजागर करना है। सपा का आरोप है कि इन मीटरों के कारण उपभोक्ताओं को बिलिंग और तकनीकी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है, जिससे लोगों में असंतोष बढ़ रहा है। पार्टी ने मांग की है कि स्मार्ट मीटर योजना पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाई जाए और पहले से लगे मीटरों की जांच कराई जाए।

जिला अध्यक्ष फैसल हुसैन एडवोकेट और महानगर अध्यक्ष वीरेंद्र यादव एडवोकेट ने सभी पदाधिकारियों, नेताओं और कार्यकताओं से अपील की है कि वे निर्धारित समय और स्थान पर पहुंचकर आंदोलन को सफल बनाएं। वरिष्ठ उपाध्यक्ष महानगर मनोज पंडित ने भी अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने की बात कही है।

'ग्रेट निकोबार पर राहुल के सवालों से डरी सरकार' कांग्रेस ने दावों के बीच कहा- सदन में हो चर्चा

नई दिल्ली। ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट को लेकर कांग्रेस ने मोदी सरकार पर जोरदार हमला बोला है। कांग्रेस का दावा है कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के 28 अप्रैल 2026 के दौरे से सरकार घबरा गई है और डैमेज कंट्रोल में जुट गई है। पार्टी ने पर्यावरण, आदिवासी अधिकारों और पारदर्शिता के मुद्दे उठाते हुए इस पूरी परियोजना पर संसद में विस्तार से चर्चा कराने की मांग की है।

ग्रेट निकोबार द्वीप विकास परियोजना को लेकर देश की राजनीति अचानक गरमा गई है। मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने इस प्रोजेक्ट के बहाने केंद्र की मोदी सरकार पर बहुत तीखा हमला बोला है। कांग्रेस का सीधा आरोप है कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के हालिया ग्रेट निकोबार दौरे के बाद से सरकार पूरी तरह से घबरा गई है। पार्टी का कहना है कि सरकार अब अपनी कमियां छिपाने और डैमेज कंट्रोल करने की कोशिश कर रही है। कांग्रेस ने रविवार को इस प्रोजेक्ट को लेकर पर्यावरण, आदिवासियों के अधिकार, पारदर्शिता और सुरक्षा से जुड़ी कई बड़ी चिंताएं जाहिर की हैं। पार्टी ने बहुत सख्ती से कहा है कि इन सभी अहम मुद्दों पर संसद के एक मंच पर विस्तार से बहस होनी चाहिए। कांग्रेस का मानना है कि यह विकास योजना देश की सुरक्षा और पर्यावरण के लिहाज से बहुत संवेदनशील है। पार्टी चाहती है कि देश की जनता को पता चले कि इस विकास योजना से प्रकृति और स्थानीय लोगों को कितना नुकसान होने वाला है।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि 28 अप्रैल 2026 को राहुल गांधी ने ग्रेट निकोबार का एक बहुत ही असरदार दौरा किया था।

इस दौरे के बाद सरकार घबरा गई और तीन दिन बाद 1 मई 2026 को आनन-फानन में एक प्रेस नोट जारी कर दिया। रमेश का आरोप है कि सरकार ऐसा करके आने वाली बड़ी 'पर्यावरणीय तबाही' से लोगों का ध्यान भटकाने की कोशिश कर रही है।

उन्होंने 1 मई के सरकारी प्रेस नोट का एक बहुत ही विस्तृत और कड़ा जवाब भी अपनी तरफ से सार्वजनिक रूप से साझा किया है।

जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए मोदी सरकार की नीयत पर सीधे सवाल उठाए हैं। उन्होंने लिखा कि राहुल गांधी के दौरे से बौखलाई सरकार ने अचानक इस बड़े प्रोजेक्ट पर एक प्रेस रिलीज जारी कर दी। उनका कहना है कि सरकार असल मुद्दों से भाग रही है और पूरी तरह से डैमेज कंट्रोल की मुद्रा में आ गई है। उन्होंने इस मामले में पूरी पारदर्शिता बरतने और संसद के भीतर सरकार की जवाबदेही तय करने की पुरजोर मांग की है।

धारा 163 लागू: मेहराज मलिक के कार्यक्रमों से पहले प्रशासन सख्त
बिना अनुमति जमावड़े और प्रदर्शन पर रोक

श्रीनगर। डोडा में प्रशासन ने शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए दो महीने तक बिना अनुमति जमावड़े और प्रदर्शन पर प्रतिबंध लगा दिया है। धारा 163 के तहत लागू इस आदेश में पांच या उससे अधिक लोगों के एकत्र होने पर रोक है और उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।

जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में प्रशासन ने शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए सख्त कदम उठाते हुए कुछ इलाकों में बिना अनुमति के किसी भी तरह के जमावड़े और विरोध प्रदर्शन पर दो महीने के लिए रोक लगा दी है। यह आदेश बीएनएसएस की धारा 163 के तहत जारी किया गया है। जिला मजिस्ट्रेट कृष्ण लाल द्वारा जारी आदेश के अनुसार, पांच या उससे अधिक लोगों के बिना अनुमति एकत्र होने, धरना-प्रदर्शन करने और सार्वजनिक स्थानों पर किसी भी प्रकार की गतिविधि पर प्रतिबंध रहेगा। यह पाबंदी क्लॉक टावर चौक, डेसा रोड से अकरमाबाद तक, स्पोर्ट्स स्टेडियम और उसके 100 मीटर के दायरे सहित पुराने बस स्टैंड तक लागू रहेगी।

प्रशासन ने बताया कि हाल ही में रिहा हुए विधायक मेहराज मलिक के कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में लोगों के जुटने की संभावना है, जिससे कानून-व्यवस्था बिगड़ सकती है। इसी को ध्यान में रखते हुए यह कदम उठाया गया है। हालांकि, जिन कार्यक्रमों के लिए पहले से अनुमति ली गई है वे जारी रहेंगे। आदेश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ बीएनएसएस की धारा 223 के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी।

दिल्ली अग्निकांड: पीएम मोदी ने जताया शोक
मृतकों के परिजनों को दो लाख रुपये के मुआवजे का किया ऐलान

नई दिल्ली। दिल्ली के शाहदरा अग्निकांड पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुख जताया है। पीएम मोदी ने मृतकों के परिजनों को पीएमएनआरएफ से दो लाख रुपये और घायलों को 50 हजार रुपये की सहायता देने की घोषणा की। बता दें इस हादसे में नौ लोगों की मौत हुई है। पूर्वी दिल्ली के विवेक विहार इलाके में रविवार तड़के एक चार मंजिला रिहायशी इमारत में भीषण आग लग गई। हादसे में नौ लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हो गए। आग इतनी तेजी से फैली कि कई लोग इमारत से बाहर नहीं निकल सके। इस दर्दनाक घटना पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गहरा दुख जताया है। पीएम मोदी ने कहा कि दिल्ली के शाहदरा जिले में आग लगने की घटना बेहद पीड़ादायक है। उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की।

प्रधानमंत्री ने प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से मृतकों के परिजनों को दो लाख रुपये और घायलों को 50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। बता दें कि आग की लपटों ने इमारत की दूसरी, तीसरी और चौथी मंजिल पर बने फ्लैटों को अपनी चपेट में ले लिया था। आग बुझाने के अभियान के दौरान, लगभग 10 से 15 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया, जिनमें से दो को मामूली चोटें आईं। बचाव अभियान में फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां शामिल थीं, जिन्होंने आग पर काबू पाने के लिए कड़ी मशक्कत की।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि 'आग बुझाने के अभियान के दौरान इमारत से करीब 10 से 15 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। इनमें से दो लोगों को मामूली चोटें आई थीं, जिन्हें गुरु तेग बहादुर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आग पर काबू पाने के लिए कुल 12 दमकल गाड़ियों को मौके पर भेजा गया, जबकि दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ट्रैफिक पुलिस और स्थानीय पुलिस की टीमों ने बचाव और लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने के प्रयासों में मदद की।'

ममता के निर्वाचन क्षेत्र में स्ट्रांग रूम के बाहर हंगामा
टीएमसी का आरोप- भाजपा के झंडे वाले वाहन घुसे

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र के मतगणना केंद्र के बाहर रविवार को हंगामा हुआ। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के कार्यकताओं ने आरोप लगाया कि भाजपा के झंडे वाले दो वाहनों को उस परिसर में प्रवेश दिया गया, जहां इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) रखी गई हैं। यह घटना उस समय हुई, जब इससे एक दिन पहले ममता बनर्जी ने सखावत बालिका विद्यालय में स्थित इस मतगणना केंद्र के बाहर चार घंटे तक धरना दिया। उन्होंने स्ट्रांग रूम में अनधिकृतिक लोगों के के प्रवेश का आरोप लगाया था। टीएमसी कार्यकताओं ने क्या आरोप लगाए रविवार सुबह टीएमसी कार्यकताओं ने आरोप लगाया कि भाजपा के झंडे लगी दो गाड़ियां परिसर में घुसीं और स्ट्रांग रूम के पास तक पहुंच गईं।

एक कार्यकर्ता ने कहा कि बिना पहचान पत्र के किसी को अंदर जाने की अनुमति नहीं है। फिर भी इन वाहनों को कैसे प्रवेश मिला। टीएमसी ने दावा किया कि पुलिस ने वाहनों को हटाने का भरोसा दिया। लेकिन वह कुछ समय तक वहां खड़े रहे। हालांकि, निर्वाचन आयोग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि वाहन पास की सड़क से गुजर रहा था और जांच के बाद उसे जाने दिया गया, क्योंकि उसमें कुछ भी आपत्तिजनक नहीं मिला।

भिवाड़ी में पेपर कंपनी में लगी भीषण आग, मची अफरातफरी

भिवाडी। खैरथल-तिजारा जिले के भिवाड़ी औद्योगिक क्षेत्र में रविवार दोपहर एक पेपर कोट (पेपर प्रोसेसिंग) कंपनी में अचानक भीषण आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही देर में उसने पूरी फैक्टरी परिसर को अपनी चपेट में ले लिया।

खोया पाया

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी हाई स्कूल की मार्कशीट 24/3/2025 को जी डी ए पुलिस कॉलोनी गाजियाबाद के आसपास कहीं खो गई है किसी अन्य के द्वारा इसका उपयोग अवैध माना जाए तथा मिलने पर निम्न पते पर सूचित करें।

प्रार्थी
हिमांशु पुत्र सुशील कुमार
निवासी-पी 26, पटेल मार्ग, पटेल नगर, थाना-सिहानी गेट, गाजियाबाद
मोबाइल 8802092196

शादी की खुशियां मातम में बदलीं, गंगा स्नान के दौरान युवक डूबा, गोताखोरों की मदद से सर्च ऑपरेशन जारी

बुलंदशहर। बुलंदशहर देहात कोतवाली क्षेत्र के गांव कुछेजा निवासी सुखबीर सिंह की पुत्री ज्योति की शादी गत 29 अप्रैल को धूमधाम से संपन्न हुई थी। शादी की रस्मों और विदाई के बाद रविवार को परिवार में खुशी का माहौल था। इसी बीच, परिवार के पांच सदस्य रवि (25), ललित, दिनेश, सुरेंद्र और सोमवीर गंगा स्नान की इच्छा जताते हुए नरसेना क्षेत्र के मांडू गंगा घाट पर पहुंचे थे।

यूपी के बुलंदशहर स्थित नरसेना थाना क्षेत्र स्थित मांडू गंगा घाट पर रविवार को भतीजी की शादी संपन्न होने के बाद परिवार के साथ गंगा स्नान करने आए एक युवक गहरे पानी में डूबने लगा। छोटे भाई को डूबता देख बड़े भाई ने उसे बचाने का प्रयास किया, लेकिन वह खुद भी डूबने लगा। मौके पर मौजूद अन्य लोगों ने बड़े भाई को तो सुरक्षित बाहर निकाल लिया, लेकिन छोटा भाई गंगा की तेज धारा में विलीन हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस और गोताखोरों की टीम देर शाम तक रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटी रही, लेकिन युवक का कोई सुराग नहीं मिल सका है। बुलंदशहर देहात कोतवाली क्षेत्र के गांव कुछेजा निवासी सुखवीर सिंह की पुत्री ज्योति की शादी गत 29 अप्रैल को धूमधाम से संपन्न हुई थी। शादी की रस्मों और विदाई के बाद रविवार को परिवार में खुशी का माहौल था। इसी बीच, परिवार के पांच सदस्य रवि (25), ललित, दिनेश, सुरेंद्र और सोमवीर गंगा स्नान की इच्छा जताते हुए नरसेना क्षेत्र के मांडू गंगा घाट पर पहुंचे थे।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि घाट पर गंगा की मुख्य धारा काफी दूर थी। ऐसे में ये सभी लोग करीब एक किलोमीटर दूर उस स्थान पर चले गए जहां पानी करीब था। वहां रवि और ललित सहित अन्य लोग पानी में उतरे। इसी दौरान रवि अचानक गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा। भाई को संकट में देख ललित ने उसे बचाने के लिए हाथ बढ़ाया और गहरे पानी में कूद गया, लेकिन जल स्तर और बहाव अधिक होने के कारण दोनों भाई संघर्ष करने लगे।

चीख-पुकार सुनकर आस-पास के खेतों में काम कर रहे ग्रामीण और साथ आए अन्य लोग मौके की ओर दौड़े। उन्होंने किसी तरह कड़ी मशक्कत कर ललित को तो सुरक्षित बाहर निकाल लिया, लेकिन रवि देखते ही देखते आंखों से ओझल हो गया।

शुभेंदु बोले- मतगणना से पहले अधिकारियों की ड्यूटी जानकारी लीक, आयोग से की कार्रवाई की मांग

अधिकारी ड्यूटी जानकारी कर रहे हैं लीक- सुवेंदु

भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया, श्मेरे संज्ञान में यह बात आई है कि मतगणना के दिन ड्यूटी के लिए तैनात कई अधिकारी कथित तौर पर अपनी ड्यूटी का विवरण, स्थान और पदनाम अपने-अपने विभागीय संगठनों और संघों को बता रहे हैं। मुझे यह जानकारी मिली है कि कुछ स्प्रेडशीट और सूचियां प्रसारित की जा रही हैं, जिनमें अधिकारी अपनी 'चुनाव ड्यूटी की जानकारी' स्वेच्छा से या किसी दबाव में भर रहे हैं। इसमें मतगणना प्रक्रिया के दौरान उनकी विशिष्ट भूमिकाओं का विवरण भी शामिल है।

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और भवानीपुर सीट से भाजपा उम्मीदवार शुभेंदु अधिकारी ने दावा किया है कि मतगणना ड्यूटी में लगाए गए कई अधिकारियों ने अपनी जानकारी अपने-अपने विभागीय संगठनों और एसोसिएशनों के साथ साझा कर दी है।

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव की मतगणना से पहले भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी ने गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि कुछ अधिकारी अपनी ड्यूटी, स्थान और जिम्मेदारियों से जुड़ी संवेदनशील जानकारी विभागीय संगठनों और संघों के साथ साझा कर रहे हैं। उन्होंने चुनाव आयोग से मामले पर तत्काल संज्ञान लेने की मांग की है। उन्होंने कहा कि इससे सोमवार को होने वाली मतगणना प्रक्रिया की निष्पक्षता पर गंभीर असर पड़ सकता है और पूरी प्रक्रिया की पारदर्शिता खतरे में आ सकती है।

भाजपा ने ईसी से की शिकायत

शुभेंदु अधिकारी ने सोशल मीडिया पोस्ट के साथ कुछ व्हाट्सएप मैसेज के स्क्रीनशॉट भी शेयर किए। उन्होंने कहा कि यह चुनाव संबंधी नियमों का एक गंभीर उल्लंघन है। भाजपा नेता ने कहा, श्मतगणना प्रक्रिया की पवित्रता और विश्वसनीयता, इसमें शामिल कर्मियों की तैनाती की गोपनीयता पर निर्भर करती है। इस गोपनीयता का कोई भी उल्लंघन परिणामों की निष्पक्षता को सीधे तौर पर प्रभावित करता है। जब किसी अधिकारी की तैनाती का विशिष्ट विवरण किसी राजनीतिक झुकाव वाले संगठन या संघ को पता चल जाता है, तो इससे अनावश्यक राजनीतिक प्रभाव और दबाव (धमकी) की गुंजाइश बन जाती है। उन्होंने चुनाव आयोग और पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी से मामले का तत्काल संज्ञान लेने की मांग की है।

NAME CHANGED

I, DEEP GUPTA slo HARSH KUMAR GUPTA, resident of 2-B-76, NEHRU NAGAR, GHAZIABAD, (UP), have changed, my, minor son's, name from ADVIK to ADVIK AGRAWAL, Henceforth he would be known by the name of ADVIK AGRAWAL for all future purposer.

NAME CHANGED

I KAMLESH PAL W/o RAJKUMAR PAL R/o House no. 10, Noor Nagar Sihani Ghaziabad (U.P)-201003 have changed my name From Kamlesh devi to KAMLESH PAL.henceforth i would be known by the name of KAMLESH PAL for all future purposes.

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को यह सूचित किया जाता है कि राजनीतिक दल सर्वहित भारत पार्टी के नाम से रजिस्ट्रीकृत होना प्रस्तावित है। पार्टी कार्यालय 1293/21 शक्ति नगर, न्यू पन्ना पुरी, स्वर्ग आश्रम रोड, हापुड-245101 (उ0प्र0) में स्थित है। इस दल ने लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 29क के अधीन राजनीतिक दल के रूप में रजिस्ट्रीकरण के लिए भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली को आवेदन प्रस्तुत किया है-पार्टी के पदाधिकारियों के नाम/पता नीचे दिए गए हैः- सभापति/अध्यक्षः राजेश गिरि, महासचिव/सचिवः अमित गिरि, कोषाध्यक्षः योगेन्द्र गिरि। निवासीः-1293/21 शक्ति नगर, न्यू पन्ना पुरी, स्वर्ग आश्रम रोड, हापुड-245101 (उ0प्र0) यदि किसी को सर्वहित भारत पार्टी के रजिस्ट्रीकरण में कोई आपत्ति हो तो अपनी आपत्ति इसके कारणों सहित सचिव (राजनीतिक दल), भारत निर्वाचन आयोग निर्वाचन सदन, अशोक रोड, नई दिल्ली-110001 को, इस सूचना के प्रकाशन के 30 दिनों के भीतर भेजे।

04 May -26 page 3 03-05-26 10:53 PM Page 1

दैनिक
करंट क्राइम
www.currentcrime.com
सिर्फ सच...
03 ● नई दिल्ली। सोमवार 04 मई -2026 दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

एमएलसी दिनेश गोयल खेल रहे हैं सक्रियता की धुंआधार पारी

डिप्टी सीएम से लेकर प्रदेश अध्यक्ष से की है मुलाकात और ये सिलसिला है जारी

दावेदारी

"दिनेश गोयल एक बार फिर दावेदारी वाली रेस में प्रमुख फेस बनकर सामने आ गए हैं।

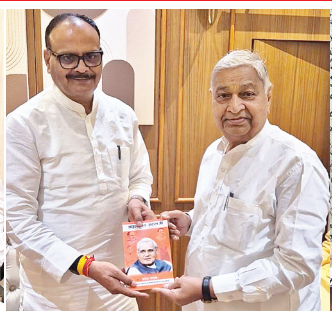

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। राजनीति की बिसात बिछ गई है और खिलाड़ियों ने मोर्चा संभाल लिया है। एमएलसी चुनाव को लेकर दावेदारी शुरू हो गई है। ऐसे में एमएलसी दिनेश गोयल ने लखनऊ तक धुंआधार पारी खेली है और बताया जाता है कि मुलाकातों का ये सिलसिल जारी रहेगा। एमएलसी दिनेश गोयल इस चुनावी रेस के सबसे मजबूत फेस हैं। उन्हें भाजपा ने पहली बार एमएलसी उम्मीदवार बनाया और दिनेश गोयल ने रिकॉर्ड जीत हासिल कर इतिहास रच गया। एमएलसी दिनेश गोयल की जीत इस मामले में भी ऐतिहासिक है कि उन्होंने उस सीट पर रिकॉर्ड जीत हासिल की जिस सीट को भाजपा पहले जीत नहीं पाती थी। सधी हुई रणनीति पर काम किया, टीम वर्क के साथ चले, भाजपा कार्यकर्ता के रूप में मैदान में आए और भाजपा ने यहां जीत का परचम लहरा दिया। दिनेश गोयल ने एक एमएलसी के रूप में सदन में जबर्दस्त पारी खेली है। अहम मुद्दों पर सवाल उठाए हैं, कार्यकर्ता और जनता की आवाज बनकर सदन में आते हैं। दिनेश गोयल एक बार फिर दावेदारी वाली रेस में प्रमुख फेस बनकर सामने आ गए हैं। बीते दिनों उन्होंने एक सर्जरी कराई थी और उसके बाद वो पूरी तरह एक्टिव मोड में हैं। दिनेश गोयल लखनऊ में मुलाकात कर रहे हैं, इन मुलाकातों के मायने हैं और वो अपनी दावेदारी को लेकर बड़े दरवाजों पर दस्तक दे चुके हैं। लखनऊ में उन्होंने डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य तथा डिप्टी सीएम बृजेश पाठक से मुलाकात की। बताते हैं कि लखनऊ में ये मुलाकातों का विशेष सेशन चल रहा है। तस्वीरों में वो डिप्टी सीएम के साथ हैं लेकिन मुलाकातें वो भी हैं जिनकी तस्वीरें बाहर नहीं आई हैं। इन मुलाकातों में प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी और प्रदेश संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह तथा पूर्व प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्रदेव सिंह से हुई मुलाकात भी शामिल है। राजनीतिक के जानकार मान रहे हैं कि ये मुलाकातें बेमतलब नहीं है और इन मुलाकातों के पॉलिटिकल संदेश हैं। बताया जाता है कि मुलाकातों के साथ-साथ एमएलसी दिनेश गोयल ने सक्रियता की धुंआधार पारी शुरू कर दी है। मुलाकातों का दौर चल रहा है और मुलाकातों के बाद अब लखनऊ से लौटकर मेरठ में कई मीटिंग हुई हैं। सूत्र बताते हैं कि मुलाकातों की ये पारी अभी जारी रहेगी। दिनेश गोयल लगातार सक्रियता वाले अंदाज में हैं और चुनावी जानकारी से दावेदारी के बड़े तूफान का संकेत मानकर चल रहे हैं।

बागरानप मॉब लिंचिंग प्रकरण: पीड़ित परिवार को 5 लाख की सहायता, विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने सौंपा चेक

परिवार को पेंशन, आवास तथा अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है।

लोनी करंट क्राइम। लोनी क्षेत्र के बागरानप में हुई मॉब लिंचिंग की घटना में दिवंगत सोनू जाटव के परिजनों को मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से 5 लाख रुपये की तत्काल आर्थिक सहायता प्रदान की गई। यह चेक विधायक नंदकिशोर गुर्जर द्वारा परिवार को सौंपा गया। विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने कहा कि पीड़ित परिवार को जल्द ही 10 लाख रुपये की अतिरिक्त सहायता भी दिलाई जाएगी। इसके साथ ही परिवार को पेंशन, आवास तथा अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है।

इस दौरान उपजिलाधिकारी लोनी, एसीपी लोनी, मेहर चंद प्रधान, सभासद अर्जुन नागर, सभासद दल अध्यक्ष रोहित भारद्वाज, सभासदगण, जाटव सभा के पदाधिकारी तथा सैकड़ों की संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे। उपस्थित लोगों ने प्रदेश सरकार का आभार व्यक्त करते हुए विधायक का विशेष धन्यवाद किया।

ज्ञात हो कि हाल ही में विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने पीड़ित परिवार की मुलाकात मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से लखनऊ में कराई थी। मुख्यमंत्री ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल सहायता एवं न्याय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए थे, जिसके परिणामस्वरूप यह आर्थिक सहायता प्रदान की गई।

यह केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि पीड़ित परिवार के साथ योगी जी की संवेदनशीलता का प्रतीक है: नंद किशोर गुर्जर

विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने कहा कि यह केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि पीड़ित परिवार के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि दोषियों को कठोरतम सजा दिलाई जाएगी और परिवार को हर संभव सहयोग प्रदान किया जाएगा।

राष्ट्रपति का किस्सा सुनाकर बोले सांसद अतुल गर्ग

नागर जी का वक्त कभी भी बदल सकता है

नागर जी ?

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। लोकसभा सांसद अतुल गर्ग का अंदाज किस्सागोई का अंदाज है। वो उदाहरण के जरिये बातों को बताते हैं। उनकी सबसे बड़ी खूबी है कि वो हास्य परिहास के बीच एक गंभीर बात कहते हैं और गंभीर संदेश देते हैं। राजनीति के बड़े किरदार हैं और गाजियाबाद की राजनीति का मजबूत स्तंभ हैं। लोकसभा सांसद हैं तो ये सब जानते हैं कि यहां की टिकट वाली राजनीति उनके इर्दगिर्द घूमेगी। पार्टी का बड़ा फेस हैं और राजनीति में कई बड़े मंचों पर खुद को स्थापित किया है। लोकसभा सांसद हैं लिहाजा किसी की भी दावेदारी का माहौल बदल देने की ताकत रखते हैं। अगर किसी को इसको हकीकत रूप में देखना है तो वो शहर विधायक संजीव शर्मा को देख सकते हैं। महानगर अध्यक्ष रहते हुए टिकट मिला और वो आज विधायक हैं। राजनीति से जुड़े सारे लोग जानते हैं कि संजीव शर्मा विधानसभा वाले टिकट के निकट किसकी मेहरबानी से हैं। अब दावेदारी का सीजन आ रहा है तो सांसद अतुल गर्ग के दर पर कई सर दिखाई देंगे। दावेदारों का एक मेला उनके घर के बाहर लगेगा। ये दावेदार भी जानते हैं कि अगर इस दरवाजे से पैरवी हो गई तो समझो आधा काम हो गया। एमएलसी चुनाव वाली दावेदारी का सीजन शुरू हो गया है। ऐसे में एमएलसी चुनाव के नागर दावेदार सांसद अतुल गर्ग के यहां पहुंचे, उनके पास बैठे और जब यहां चर्चा चली तो नागर दावेदार ने अपनी मेहनत के बारे में बताया, अपनी प्रोफाइल के बारे में बताया और कहा कि मैं भाजपा का मेहनती कार्यकर्ता हूं और फिर नागर दावेदार बोले कि आप कहते हो कि आप कार्यकर्ता की पैरवी करते हो। यह सुनकर सांसद अतुल गर्ग मुस्कुराए और कहा कि बिल्कुल सही बात है। कार्यकर्ता की पैरवी होनी चाहिए। इसके बाद बात किसी पुराने रिकॉर्ड को लेकर चली और यहां किस्सागोई के मास्टर सांसद अतुल गर्ग ने महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का किस्सा सुनाया। उन्होंने अपने जानकार का नाम लिया और बताया कि ये उन दिनों की बात है जब राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू सभासद हुआ करती थीं। उन्हें एक स्कूल में ध्वजारोहरण के लिये बुलाया गया था। सांसद अतुल गर्ग के जानकार नेता ने यह भी बताया कि तब उन्होंने राष्ट्रपति को देखा था और वो सोच भी नहीं सकते थे कि एक दिन ऐसा भी आएगा कि द्रौपदी मुर्मू सभासद से राष्ट्रपति बन जाएंगी। फिर वो दिन आया जब द्रौपदी मुर्मू राष्ट्रपति बन गईं। इस किस्से को सुनाकर अतुल गर्ग मुस्कुराए और कहा कि तुम मेरी बात को समझें या नहीं समझें। इसके बाद सांसद अतुल गर्ग ने कहा कि नागर जी भाजपा के पुराने चेहरे हैं और ये कब सरप्राइज दे देंगे पता ही नहीं चलेगा। यह सुनकर नागर जी के भी चेहरे पर स्माइल आ गई। अतुल गर्ग की बात इधर समाप्त हुई और उधर कमरे में हरी चटनी, समोसे, पकौड़े और मीठी लस्सी आ गई।

अब हर सप्ताह ब्लॉक स्तर पर बैठक लेंगे कांग्रेस जिला अध्यक्ष, हेल्प डेस्क का होगा गठन

गाजियाबाद करंट क्राइम। सेंट्रल मार्केट पुराना बस अड्डा स्थित जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय में रविवार को मासिक बैठक आयोजित की गई जिसकी अध्यक्षता जिला अध्यक्ष सतीश शर्मा ने की। बैठक में संगठन एवं फ्रंटल प्रकोष्ठ के कार्यों की समीक्षा की गई। इसके अलावा सोमवार को यूथ कांग्रेस की ओर से आयोजित किसान नौजवान यात्रा के स्वागत की तैयारी की भी समीक्षा की गई। बागपत से चलकर यह यात्रा सोमवार शाम को नवयुग मार्केट पहुंचेगी जहां कांग्रेस कार्यकताओं की ओर से भव्य स्वागत किया जाएगा। जिला अध्यक्ष सतीश शर्मा ने कहा कि मासिक बैठक में सभी फ्रंटल संगठनों के पदाधिकारी को शान द्वारा दी जा रही जन सुविधाओं को लोगों तक पंहुचाने की अपील की गई। जिला गाजियाबाद में जनमानस को को हो रही परेशानियों के निवारण के लिए सहयोग करने की अपील की गई है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हमेशा जनता के बीच रहती है जनता की समस्याओं का निराकरण सिर्फ कांग्रेस कार्यकर्ता ही कर सकते हैं। सभी कार्यकताओं से अपील की गई है कि सभी कांग्रेस कार्यकर्ता अपनी गाड़ी, अपने घर और घर के बाहर नेम प्लेट पर कांग्रेस का प्रतीक जरूर लगाए।

उन्होंने कहा कि सभी विधानसभा अध्यक्ष और ब्लॉक अध्यक्ष की कमेटी पूरी हो चुकी है। सभी को जिम्मेदारी दी गई है कि अपने-अपने क्षेत्र में पहुंचे और पब्लिक के साथ जनता के साथ उनकी समस्याओं का निवारण करवाने में उनकी मदद करें। बैठक का मंच संचालन पोशाक अध्यक्ष अश्वनी त्यागी ने किया। बैठक में मोदीनगर से प्रदीप कंसल, पूर्व सचिव पंकज तेजानियां, पूर्व पार्षद सुनील चौधरी ने विचार प्रकट किया। कोषाध्यक्ष अश्वनी त्यागी ने कहा कि कांग्रेस की ओर से हर विधानसभा में एक हेल्प डेस्क स्थापित किया जाएगा।

हर विधानसभा में ब्लॉक स्तर पर जिला अध्यक्ष की ओर से वीकली मीटिंग आयोजित की जाएगी। जिसमें जिला अध्यक्ष सतीश शर्मा भी पहुंचा करेंगे। इससे आम जनता में कांग्रेस का मैसेज भी पहुंचेगा। बैठक में महिला जिला अध्यक्ष डोली त्यागी, जिला मीडिया प्रभारी आशुतोष गुप्ता, अरविंद गौतम, विधि प्रकोष्ठ अध्यक्ष मनोज कुमार राय, सुरेंद्र शर्मा, अश्वनी त्यागी, अनवर कुरैशी, हरविंदर सिंह बाबा, सत्य प्रकाश त्यागी, मोहम्मद इरफान, राजू शर्मा, उदय सिंह, पाल नायक, अब्बासी, विशंभर सिंह नेगी, आबिद आलम, अजय सिंह, मेजर बीके सिंह, लोनी, आकाश त्यागी, अरुण त्यागी, राजन चित्तौड़िया, अलीमुद्दीन कसर, हाजी खुर्शीद, राजीव शर्मा, राजेश गुप्ता, अलीमुद्दीन कसर, अनूप सिंह, लज्जा यादव, महफूज खान, बाबूराम आर्य, अजय शर्मा, अमित शर्मा एडवोकेट समेत सैकड़ो की संख्या में कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

आ गया दैनिक करंट क्राइम की खबर पर रावत ब्रदर्स का जवाब

पुष्पेंद्र रावत बोले- जरूर लड़ना है मुझे 2027 का चुनाव

सुनाई नहीं दे रहा है रावत ब्रदर्स की दावेदारी का तराना
सियासी रूप से साइलेंट हैं या फिर कहीं और साधा है सियासी निशाना

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। दैनिक करंट क्राइम ने रावत ब्रदर्स की पॉलिटिकल खामोशी को लेकर समाचार प्रकाशित किया। रावत ब्रदर्स राजनीति के ऐसे चेहरे हैं जिनमें एक ब्रदर विधायक रहे हैं, एक ब्रदर ने कई चुनाव लड़े हैं और एक ब्रदर ने अभी तक कोई चुनाव नहीं लड़ना, लेकिन उनकी दावेदारी बहुत रही है। यहां बात सबसे पहले पूर्व विधायक राम नरेश रावत की होगी। राम नरेश रावत सियासत का मजबूत चेहरा हैं। आज के दौर में भी वो सिद्धांतवादी राजनीति के पक्षधर हैं। बड़े दिल से राजनीति करते हैं और उनकी राजनीतिक हलचल से उनकी दावेदारी का आभास हो रहा है। सुधन रावत विधानसभा से लेकर विधान परिषद का चुनाव लड़ चुके हैं, मेयर का चुनाव लड़ चुके हैं। फिलहाल भाजपा में हैं और उनका पॉलिटिकल मूवमेंट दिख नहीं रहा है। सबसे छोटे भाई पुष्पेंद्र रावत हैं। प्रतिष्ठित उद्योगपति हैं और बड़ी बात ये है कि वो हमेशा सामाजिक मुद्दों पर एक्टिव रहते हैं, किसानों के मुद्दे पर बोलते हैं और चुनावी दावेदारी का भी चेहरा हैं। किसानों की मांगों को लेकर एक्टिव रहे हैं। मोदीनगर से प्रबल दावेदारी में थे। इस बार वो चुनाव लड़ेंगे या नहीं लड़ेंगे इसको लेकर डाउट भी उन्होंने आउट कर दिया।

पुष्पेंद्र रावत ने दैनिक करंट क्राइम से बात की और उन्होंने अपनी प्रतिक्रिया सीमित शब्दों में व्यक्त की। पुष्पेंद्र रावत ने वर्ष 2027 को लेकर साफ कर दिया कि इस बार मैं विधानसभा चुनाव जरूर लड़ूंगा। अब यहां उन्होंने जब जरूर शब्द का इस्तेमाल किया तो इस शब्द का मतलब यही माना जाए कि वो टिकट ना मिलने की अवस्था में भी लड़ेंगे, टिकट मिले या ना मिले, लेकिन वो चुनावी रण में उतरेंगे। दैनिक करंट क्राइम ने जब उनसे जरूर शब्द को लेकर सवाल किया तो वो मुस्कुराए और उन्होंने कहा कि मेरा मतलब यह है कि यदि सीट महिला आरक्षित होती है तो मेरी पत्नी भी टिकट की दावेदारी में है। मेरी पत्नी क्षेत्र में एक्टिव हैं और जनता के बीच काम कर रही है। मैं जनता के बीच रहता हूं, जनमुद्दों पर आवाज उठाता हूं और इसके बाद पुष्पेंद्र रावत ने फिर दोहराया कि चुनाव तो मैं जरूर लड़ूंगा। पुष्पेंद्र रावत के चुनाव लड़ने वाले शब्द रिपीट होने से कई दावेदारों की हार्ट बीट बढ़ गई है। राजनीति में जरूर शब्द का अर्थ सब जानते हैं। चुनाव विधानसभा का भी हो सकता है, चुनाव नगर पालिका का भी हो सकता है, चुनाव एमएलसी का भी हो सकता है। दावेदारी सभी स्थानों पर रहेगी और बात वही अडिग रहेगी कि चुनाव तो मैं जरूर लड़ूंगा।

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि जिसे निगम के अधिकारी बता रहे हैं कम उस हाउस टैक्स से पूर्व पार्षद नहीं मान रहे हैं अपना वास्ता? पता चला है अंदर से कि अब ये कभी भी पकड़ सकते हैं सुप्रीम कोर्ट का रास्ता? पता चला है अंदरखाने इन्होंने शुरू कर दी है तैयारी? ये कोर्ट को बताना चाहते हैं कि जो आदेश योगी जी ने किया है उसपर अमल नहीं हुआ है जारी? देखना स्टोरी में आ सकता है ट्विस्ट? कभी भी डल सकती है इस मामले में रिट?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि संगठन वाले मंत्री जब कार्यक्रम करके हो रहे थे वापस गाड़ी में सवार? तब हमने देखा उनको सीऑफ करते हुए एक जनप्रतिनिधि का किरदार? जब लगाने वाले ने लगाये कुछ बातों पर कान? सुनाई दिया यहां पर त्रिपाठी जी का नाम? उन्होंने कहा साहब से कि इनको थोड़ा समझाना? कहने वाले ने कहा कि अब क्या बात हुई? या तो त्रिपाठी जी जानते हैं, या फिर जनप्रतिनिधि को पता है पूरा तराना?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि नदियापार की एक चौकी इन दिनों चर्चा में है आम? सुना है ये वो चौकी है जिस पर सूर्य जी रहते हैं महरबान? कहने वाले कह रहे हैं नेता हो या समाजसेवी? वो आजकल बना रहे हैं इस चौकी से दूरी? जानने वाले ने जाननी चाही आखिर क्या है इसके पीछे की मजबूरी? फिर ज्यदा टटोला तो पता चली गजब की बात? कहने वाले ने कहा कि जब भी कोई यहां पर जाता है तो उससे करने वाले चौकी के निर्माण में सहयोग की कर देते हैं बात?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि इन दिनों एक पूर्व अध्यक्ष की है हैवीवेट वालों के सुपुत्र की एक्टिव वाली वर्किंग पर नजर? जब भी वो किसी से मिलते हैं तो कर देते हैं इस बात का जिक्र? कहते हैं कि लगता है हैवी वेट वाले अपने पुत्र को राजनीतिक उत्तराधिकारी बनाने का बना रहे हैं प्लान? हमने संघ के बड़े चेहरों के यहां पर भी उनके सन को देखा है विराजमान? कहने वाले ने कहा कि पूर्व अध्यक्ष एक विधायक से भी कर रहे थे ये बात? विधायक ने मुस्कुराकर कहा बड़े बड़े शहरों में होती रहती हैं ऐसी बात?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि नदियापार के एक मैम्बर की पहुंच गयी है आलाकमान तक बात? कहने वाले कह रहे हैं ये सुपरवाईजर के माध्यम से रख रहे हैं बिल्डरों पर हाथ? अच्छीखासी कर रहे हैं ये सुपरवाईजर के माध्यम से कमाई? फिर ना जाने क्यों देखने वालों को क्यों नहीं दे रहा ये सब दिखाई? कहने वाले ने कहा कि जब सिस्टम वाले साथ हों तो फिर खूब मजा देती है ऊपर की कमाई?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि जब हुई बड़ी वाली बैठक खत्म तब उठी दो तरह की चर्चाऐं? यहां पर हम कर रहे हैं पहली चर्चा का जिक्र? सुना है मुख्य अतिथि ने खूब की संगठन के मैनेजमेंट की फिक्र? उन्होंने संगठन के कैप्टन की वर्किंग को बता दिया तमाम चेहरों के बीच में टॉप? कहा अल्प समय में इन्होंने शानदार व्यवस्था कर दी? इन्होंने दिखा दिया अपनी वर्किंग का असर? सच है जब भी इन्हें कोई कार्य मिलता है तो उसको पूरा करने में नहीं छोड़ते हैं ये कोई कसर?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि अब हम आपको यहां पर दूसरी चर्चा का जिक्र भी कर देते हैं आम? एक जगह जहां तारीफ चल रही थी वहीं दूसरा खेमा कह रहा था नहीं था यहां पर ठीक सा इंतजाम? उठाने वाले उठा रहे थे ईटिंग की व्यवस्था पर सवाल? कह रहे थे पहले की तरह नहीं पेश की पेश करने वालों ने कोई मिसाल? कई जिले वालों का नाम लेकर कर रहे थे वो इस बात का जिक्र? कहने वाले ने कहा कि जब कार्यक्रम एक बजे से शुरू होकर पांच बजे तक खिंच गया हो? तब अच्छा नहीं लगता है इस तहर की बातों का जिक्र?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि चलो ये भी माना आपका बहाना कि कार्यक्रम लेट हुआ? इसलिए बिगड़ा इंतजामों का तराना? मगर आप जानते हो कि नई टीम घोषित होने के बाद पार्टी के बड़े चेहरे का हुआ था कार्यक्रम में आगमन? टीम के चेहर चाहते तो होर्डिंग-बैनर से क्षेत्र को पाटकर करा सकते थे अपनी खुशी और स्वागत का अहसास? मगर हमने देखा कि यहां पर फेल हो गये टीम के कई भाईसाहब?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि कार्यक्रम चल रहा था? अचानक ऐसी से निकलने लगी खड़खड़ाहट की आवाज? सुना है इस आवाज को ठीक करने के लिए दौड़ पड़े दो दो महान मंत्री? सुना है उनकी ये दौड़ देखकर हो गये थे कोई बड़े चेहरे नाराज? कार्यक्रम से फोकस हटने पर आ गये थे ये दोनों निशाने पर? सुना है ये चर्चा आमद हैं कई चेहरे एक दूसरे को बताने पर?

▸▸ क्यों कहा कहने वाले ने कि हम थे एक सामाजिक कार्यक्रम में मौजूद? इस आयोजन में दिख रहा था बड़े वाले महाराज जी का वजूद? उन्होंने अपने खास लोगों से कर दिया स्पष्ट? अब राजनीति में बिल्कुल भी नहीं जाना? भले ही हो किसी को कितना ही कष्ट? हम जहां हैं वहीं है ठीक? किसी दल में शामिल होकर हम अपनी तपस्या को नहीं करना चाहते हैं वीक?

नोट : उठते सवालों का करंट लेखक की व्यक्तिगत राय नहीं है, बल्कि रोजाना क्षेत्र में उठने वाली चर्चाओं का संग्रह है।

नई दिल्ली | दैनिक करंट क्राइम | 04 | सोमवार • 04 मई -2026

संवाद

संपादकीय

महंगाई का बढ़ता संकट

कहने को ताजा बढ़ोतरी का असर आबादी के एक छोटे हिस्से पर पड़ने की बात कही जा रही है, लेकिन इतना तय है कि इसका दायरा बड़ा होने वाला है। पिछले करीब दो महीने से पश्चिम एशिया में संघर्ष के बीच वैश्विक स्तर पर जिस तरह की परिस्थितियां पैदा हुई हैं, उसमें रोजमर्रा की जरूरत की चीजों की आपूर्ति बाधित होने के साथ ही महंगाई की रफ्तार भी तेज हुई है। ऐसे में भारत में भी महंगाई के बेलगाम होने की आशंका पहले से जताई जा रही थी। मगर ऐसा लगता है कि पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव के मद्देनजर ही सरकार ने जरूरी चीजों की कीमतों की लगाम को थाम के रखा हुआ था। गौरतलब है कि शुक्रवार को खाना पकाने के वाणिज्यिक गैस सिलेंडर की कीमत में नौ सौ तिरानबे रुपए की भारी बढ़ोतरी कर दी गई। वहीं चूंकि सामान्य घरेलू गैस सिलेंडर की आपूर्ति बाधित है, इसलिए पांच किलो गैस वाले छोटे सिलेंडर उपलब्ध तो कराए जा रहे हैं, लेकिन उसकी कीमत में भी दो सौ इकसठ रुपए की बढ़ोतरी कर दी गई और अब इसके लिए उपभोक्ताओं को आठ सौ दस रुपए पचास पैसे देने होंगे। इसके अलावा, विमान ईंधन और थोक डीजल के मूल्य में भी वृद्धि की गई है। कहने को ताजा बढ़ोतरी का असर आबादी के एक छोटे हिस्से पर पड़ने की बात कही जा रही है, लेकिन इतना तय है कि इसका दायरा बड़ा होने वाला है। मसलन, केवल वाणिज्यिक गैस सिलेंडर को ही देखें, तो इसकी कीमत अब तीन हजार रुपए से भी ज्यादा हो गई है। जाहिर है, होटल, ढाबे या खाना पकाने का व्यवसाय करने वाले लोग अगर इसका उपयोग करेंगे, तो सीधे-सीधे इसका असर खाने-पीने की चीजों की कीमतों और लोगों की थाली पर पड़ेगा। संभव है कि कम आय वाले लोगों के व्यवसाय पर भी इसका विपरीत असर पड़े।

फिर इस बात की क्या गारंटी है कि जिन कारणों से वाणिज्यिक गैस सिलेंडर के दाम में इजाफा करने को उचित ठहराया जा रहा है, उसी तरह के दूसरे कारण से आने वाले दिनों में घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत नहीं बढ़ाई जाएगी। आखिर छोटे सिलेंडर की कीमत में खासी बढ़ोतरी कर ही दी गई है, जिसका उपयोग आमतौर पर प्रवासी मजदूर से लेकर आर्थिक रूप से कमजोर तबके के लोग करते हैं। इसी तरह, अब यह कहना मुश्किल है कि विमान ईंधन और थोक डीजल के मूल्य में वृद्धि केवल वहीं तक रुक जाएगी। अभी से आम उपयोग वाले पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी की शंका जताई जाने लगी है। जाहिर है, एक ऐसा दौर शुरू हो चुका है, जिसमें महंगाई का दुष्चक्र आने वाले दिनों में और ज्यादा जटिल होता दिख रहा है। खासतौर पर डीजल की कीमतों में इजाफे के बाद ढुलाई का खर्च बढ़ाना और इसके बाद चौतरफा महंगाई की मार सबके लिए एक बड़ी चुनौती बन सकती है। वैश्विक स्तर पर पसरी अस्थिरता की वजह से अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर हाल के दिनों में जो सुस्ती देखी जा रही है, बाजार भी तेज उतार-चढ़ाव से गुजर रहा है, उसमें एक बड़ी आबादी रोजी-रोजगार के सवालों से जूझ रही है।

बीमा क्षेत्र में 100% विदेशी निवेश की अधिसूचना जारी
सरकार ने एफईएमए नियमों में किया संशोधन

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय ने बीमा क्षेत्र में ऑटोमेटिक रूट से 100 प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) को मंजूरी देने वाले नियम को शनिवार को अधिसूचित कर दिया। अधिसूचना के अनुसार विदेशी मुद्रा प्रबंधन (फेमा) नियम, 2026 के अनुसार, ऑटोमेटिक रूट से बीमा कंपनियों और उससे जुड़े मध्यस्थों, जिनमें ब्रोकर भी शामिल हैं, में अब 100 प्रतिशत विदेशी निवेश की अनुमति होगी। हालांकि भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के लिए यह सीमा 20 प्रतिशत निर्धारित की गई है।

संसद ने दिसंबर, 2025 में 'सबका बीमा सबकी रक्षा' विधेयक, 2025 पारित किया था, जिसके जरिये बीमा क्षेत्र में एफडीआई की सीमा को स्वचालित मार्ग के तहत पहले के 74 प्रतिशत से बढ़ाकर 100 प्रतिशत करने की मंजूरी दी गई। राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद यह विधेयक कानून बन गया। इसके बाद फरवरी, 2026 में वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने बीमा क्षेत्र में 100 प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) को अधिसूचित किया था। अब इस फैसले को अधिसूचित कर दिए जाने के बाद विदेशी निवेशकों के लिए भारतीय बीमा कंपनियों में पैसा लगाना आसान हो जाएगा।

भारत का बीमा क्षेत्र विश्व के सबसे तेजी से बढ़ते बीमा क्षेत्रों में एक है। यह वैश्विक स्तर पर 10वें स्थान पर है और इसकी सालाना विकास दर लगभग 15-20 फीसदी है।

जागरूकता में वृद्धि, डिजिटल तकनीक को अपनाने और प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की सीमा पहले 74 फीसदी तक किए जाने के बाद इस क्षेत्र में तेज वृद्धि देखने को मिली थी।

अब विदेशी निवेश सीमा को 100 फीसदी कर दिए जाने से इसकी वृद्धि की रफ्तार और तेज होने की उम्मीद है।

बीमा नियामक आईआरडीएआई द्वारा शासित इस क्षेत्र में अभी 57 से अधिक कंपनियां शामिल हैं, जिनमें सरकारी बीमा कंपनी एलआईसी का बड़ा हिस्सा है। हालांकि अब निजी क्षेत्र की बाजार हिस्सेदारी भी लगातार बढ़ रही है।

रोहित जैन आरबीबाई के नए डिप्टी गवर्नर नियुक्त
डॉलर इंडस्ट्रीज संस्थापक दीनदयाल गुप्ता का निधन

नई दिल्ली। भारत सरकार ने रोहित जैन को भारतीय रिजर्व बैंक का डिप्टी गवर्नर नियुक्त किया है। यह नियुक्ति तीन साल की अवधि के लिए की गई है। रॉयटर्स ने शुक्रवार को जारी एक सरकारी अधिसूचना का हवाला देते हुए यह जानकारी दी। जैन की नियुक्ति 3 मई से प्रभावी होगी। वह वर्तमान में केंद्रीय बैंक में कार्यकारी निदेशक के रूप में कार्यरत हैं। डिप्टी गवर्नर के रूप में उनके कार्यभार का आवंटन अभी घोषित नहीं किया गया है। जैन ने पूर्व डिप्टी गवर्नर टी रवि शंकर का स्थान लिया है। रवि शंकर पिछले महीने अपना कार्यकाल पूरा करने के बाद सेवानिवृत्त हुए थे। आरबीआई अधिनियम, 1934 के अनुसार, केंद्रीय बैंक में चार डिप्टी गवर्नर होने चाहिए। अन्य तीन डिप्टी गवर्नर स्वामीनाथन जे, पूनम गुप्ता और एस सी मुर्मू हैं।

डॉलर इंडस्ट्रीज संस्थापक दीनदयाल गुप्ता का निधन

होजरी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी डॉलर इंडस्ट्रीज लिमिटेड के संस्थापक और चेयरमैन एमेरिटस दीनदयाल गुप्ता का शनिवार को 88 वर्ष की आयु में निधन हो गया। वे लंबे समय से उम्र संबंधी बीमारियों से जूझ रहे थे। 1937 में हरियाणा में जन्मे गुप्ता ने 1972 में डॉलर इंडस्ट्रीज की नींव रखी थी। इसे अपनी मेहनत से 1,700 करोड़ रुपये से अधिक के टर्नओवर वाली कंपनी बनाया। कंपनी ने कहा है कि गुप्ता जी एक दूरदर्शी मार्गदर्शक थे। उन्होंने भारतीय परिधान उद्योग को नई पहचान दी। उनके परिवार में पत्नी, चार पुत्र और पोते-पोतियां हैं, जो वर्तमान में व्यवसाय संभाल रहे हैं। पश्चिम बंगाल होजरी एसोसिएशन ने उन्हें लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया था।

भारत के पड़ोसी देशों से निवेश पर सख्ती

सरकार ने इसके साथ ही भारत से जमीनी सीमा साझा करने वाले देशों से आने वाले निवेश पर शिकंजा कसा है। इन देशों से आने वाले हर निवेश को पहले सरकार की मंजूरी लेनी होगी। वित्त मंत्रालय की ओर से जारी अधिसूचना में कहा गया है, भारतीय कंपनियों में होने वाले ऐसे सारी निवेश को सिर्फ सरकारी रूट से ही मंजूरी दी जाएगी। ऐसी कंपनियों के स्वामित्व में भविष्य में होने वाला परिवर्तन भी निगरानी के दायरे में रहेगा।

अधिसूचना में कहा गया है, इन कंपनियों के स्वामित्व के हस्तांतरण की स्थिति में, बाद में होने परिवर्तनों के लिए भी सरकार की पूर्व स्वीकृति आवश्यक होगी।

Mythos AI से Cyber Attack का बढ़ा खतरा
सरकारी बैंक IT बजट बढ़ाकर मजबूत करेंगे सुरक्षा कवच

नई दिल्ली। एंथ्रोपिक के माइथोस एआई टूल से उत्पन्न नए साइबर खतरे के कारण, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक अपनी आईटी सुरक्षा को मजबूत करने के लिए तैयार हैं। वित्तीय प्रणालियों की कमजोरियों का फायदा उठाने की इस एआई की क्षमता को देखते हुए, प्रमुख बैंक ग्राहक डेटा और मौद्रिक संसाधनों की सुरक्षा के लिए अपना आईटी खर्च बढ़ा रहे हैं। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक अपनी प्रणाली को सुरक्षित करने, ग्राहक डेटा की रक्षा करने और मौद्रिक संसाधनों को बचाने के लिए आईटी खर्च बढ़ाने की तैयारी कर रहे हैं।

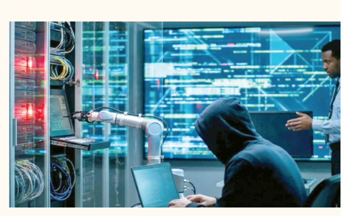

यह कदम एंथ्रोपिक के क्लाउड माइथोस एआई टूल और वित्तीय डेटा सुरक्षा पर इसके संभावित प्रभावों को लेकर वैश्विक चिंताओं के बीच उठाया जा रहा है। माइथोस की उन्नत कोडिंग क्षमताएं इसे साइबर सुरक्षा की कमजोरियों का पता लगाने और उनका फायदा उठाने के तरीके विकसित करने की अभूतपूर्व क्षमता प्रदान करती हैं।

इससे यह चिंता बढ़ गई है कि इसका उपयोग बैंकिंग प्रणालियों को बाधित करने के लिए किया जा सकता है। पंजाब एंड सिंध बैंक के प्रबंध निदेशक और सीईओ स्वरूप कुमार साहा ने पीटीआई-को बताया कि इस नई चुनौती के मद्देनजर बैंकों को अपनी प्रणाली अधिक मजबूत बनाने और साइबर हमलों के संबंध में कमजोरियों को कम करने के लिए निश्चित रूप से आईटी में अपना निवेश बढ़ाना होगा। उन्होंने कहा कि बैंक नई तकनीक से उत्पन्न चुनौतियों का सामना करने के लिए चालू वित्त वर्ष में अपना आईटी खर्च बढ़ाने जा रहा है।

इसके अलावा, यूको बैंक के प्रबंध निदेशक और सीईओ अश्विनी कुमार ने कहा कि बैंक का आईटी खर्च पिछले वित्त वर्ष की तुलना में अधिक होने वाला है, और इसका एक बड़ा हिस्सा साइबर सुरक्षा की ओर जाएगा।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बैंकों से अपने आईटी सिस्टम को सुरक्षित करने के लिए सभी आवश्यक उपाय करने को कहा था।

क्या है माइथोस एआई का खतरा?

- उन्नत कोडिंग से साइबर कमजोरियां खोजने में सक्षम
- बैंकिंग सिस्टम में सेंध लगाने की बढ़ी आशंका
- डेटा चोरी और फाइनेंशियल फ्रॉड का खतरा
- इसी वजह से बैंक बढ़ा रहे आईटी और साइबर सिक्योरिटी बजट

शीर्ष 10 कंपनियों के मार्केट कैप में 2.20 लाख करोड़ का इजाफा, रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे आगे

नई दिल्ली। पिछला हफ्ता छुट्टियों के कारण छोटा रहा और इस दौरान देश की 10 सबसे कीमती कंपनियों में से चार कंपनियों का कुल बाजार मूल्य 2.20 लाख करोड़ रुपये बढ़ा, जिसमें रिलायंस इंडस्ट्रीज को सबसे ज्यादा फायदा हुआ।

सेंसेक्स भी 249.29 अंक यानी 0.32 प्रतिशत बढ़ा, हालांकि बाजार में उतार-चढ़ाव बना रहा। ए पिछले हफ्ते देश की शीर्ष-10 सबसे कीमती कंपनियों में से चार कंपनियों का कुल बाजार मूल्य 2.20 लाख करोड़ रुपये बढ़ गया। इसमें सबसे ज्यादा फायदा रिलायंस इंडस्ट्रीज को हुआ। यह सप्ताह छुट्टियों की वजह से छोटा था। पिछले हफ्ते बीएसई का सेंसेक्स 249.29 अंक यानी 0.32 फीसदी बढ़कर ऊपर गया।

रिलायंस ब्रोकिंग के अनुसंधान प्रमुख अजीत मिश्रा ने कहा, बाजार में हल्की बढ़त रही। लेकिन माहौल उतार-चढ़ाव वाला और सीमित दायरे में रहा, क्योंकि वैश्विक और घरेलू संकेत एक जैसे नहीं थे। उन्होंने बताया कि हफ्ते की शुरूआत अच्छी रही। वैश्विक

तनाव कम होने और चौथी तिमाही के नतीजों में सुधार से बाजार को शुरूआत में सहारा मिला।

इस दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारती एयरटेल, टीसीएस और बजाज फाइनेंस के शेयरों में बढ़त रही। वहीं, एचडीएफसी बैंक, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), आईसीआईसीआई बैंक, लार्सन एंड टुब्रो, हिंदुस्तान यूनिलीवर और एलआईसी की बाजार कीमत में कुल 1.24 लाख करोड़ रुपये की गिरावट आई। रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्य 1,39,655.8 करोड़ रुपये बढ़कर 19,36,303.30 करोड़ रुपये हो गया। वहीं, भारती एयरटेल का बाजार मूल्य 43,503.51 करोड़ रुपये बढ़कर 11,49,222.13 करोड़ रुपये पहुंच गया।

बजट एयरलाइन स्पिरिट महंगे फ्यूल और कर्ज के कारण बंद
सीईओ बोले- हमारे पास पैसे नहीं बचे थे, 34 साल पहले शुरू हुई थी एयरलाइन

नई दिल्ली। अमेरिकी एयरलाइन कंपनी स्पिरिट एयरलाइंस ने वित्तीय संकट और ईंधन की कीमतों में अचानक आए उछाल के कारण अपना कामकाज पूरी तरह बंद कर दिया है। कंपनी ने 2 मई 2026 को आधिकारिक तौर पर अपने सभी ऑपरेशंस को सस्पेंड करने की घोषणा की। स्पिरिट एयरलाइंस के प्रेसिडेंट और उएड डेव डेविस ने कहा कि पिछले कुछ हफ्तों में ईंधन की कीमतों में हुई बेतहाशा बढ़ोतरी ने कंपनी को इस मोड़ पर खड़ा कर दिया है। बिजनेस को चालू रखने के लिए करोड़ों डॉलर की नकदी की जरूरत थी, जो कंपनी के पास नहीं थी। उन्होंने इसे एक 'दुखद अंत' बताया और कहा कि 34 साल से सस्ती हवाई यात्रा देने वाली एयरलाइन के पास अब ऑपरेशंस बंद करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा था। एयरलाइन के बंद होने की तीन बड़ी वजहें कच्चा तेल महंगा होने से बिजनेस मॉडल गड़बड़ा गया था अमेरिका और ईरान

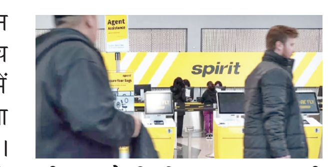

की जंग ने स्पिरिट एयरलाइंस की मुश्किलें बढ़ा दीं थी। मार्च में हॉर्मुज स्ट्रेट के बंद होने से ब्रेंट क्रूड ऑयल 120 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया है। जेट फ्यूल महंगा होने के बाद प्रीमियम एयरलाइंस ने तो टिकट महंगी कर इसकी भरपाई कर ली, लेकिन स्पिरिट जैसी बजट एयरलाइन के पास कीमतें बढ़ाने की गुंजाइश नहीं थी। ट्रम्प प्रशासन के साथ 500 मिलियन डॉलर की डील फेल ट्रम्प प्रशासन स्पिरिट एयरलाइंस को बचाने के लिए करीब 4,700 करोड़ का बेलआउट पैकेज देने पर विचार कर रहा था। डील के तहत सरकार एयरलाइन में 90% हिस्सेदारी लेती। हालांकि, सिटाडेल और एरेस मैनेजमेंट कॉर्प जैसे बड़े बॉन्डहोल्डर्स ने सरकारी शर्तों को मानने से इनकार कर दिया।

रोचक तथ्यों का करंट

- आंख खोलकर की छींक लगाना नामुमकिन होता है।
- गाय सीढ़ी पर आसानी से चढ़ सकती है लेकिन सीढ़ी से उतर नहीं सकती।
- इंसान के पैर के पंजे में कुल 26 हड्डियां होती हैं.
- दुनिया में सबसे ज्यादा प्रयोग किया जाने वाला पॉसवर्ड 111111, 101010 , 123456 है।
- लड़को के तुलना में लड़कियां ज्यादा जल्दी नई भाषा सीख जाती है।
- आज इस्तेमाल होने वाले Shampoo की खोज भी भारत देश में ही हुई थी Shampoo शब्द का विकृति भी संस्कृत शब्द Champu से हुई थी जिसका मतलब मसाज होता हैं।
- अंग्रेजी के सभी शब्दों में रएळ के सबसे ज्यादा अर्थ निकलते हैं।
- मेंढ़क आंख बंद करके ही कुछ निगल सकता है, बिना आँख बंद किये नहीं निगल सकता।
- इंसान का खून दिन भर में उसके शरीर का लगभग 1000 चक्कर लगाता है।
- काम करते समय खुद से बातचीत करने से ध्यान भटकना कम हो जाता है।

राशिफल

मेष: नौकरी में परिवर्तन की सम्भावना बन रही है। परिवार से दूर रहना पड़ सकता है। रहन-सहन अव्यवस्थित हो सकता है। बातचीत में संयत रहें।

वृष: नौकरी में स्थान परिवर्तन के योग बन रहे हैं। कार्यक्षेत्र में वृद्धि होगी। वाहन सुख की प्राप्ति हो सकती है। खर्च बढ़ेंगे। मानसिक शान्ति रहेगी।

मिथुन: मन में नकारात्मकता के प्रभाव से बचें। परिवार का साथ मिलेगा। नौकरी में कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। परिश्रम अधिक रहेगा।

कर्क: मन में नकारात्मकता का प्रभाव हो सकता है। व्यर्थ के क्रोध से बचें। साक्षात्कारादि कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। आय में वृद्धि होगी।

सिंह: आत्मसंयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। वस्त्रों एवं वाहन के रखरखाव पर खर्च बढ़ सकते हैं।

कन्या: मन प्रसन्न रहेगा। किसी पैतृक सम्पत्ति की प्राप्ति के योग बन रहे हैं। अनियोजित खर्चों में वृद्धि होगी। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें।

तुला: आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे, परन्तु मन परेशान भी हो सकता है। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। परिवार का साथ मिलेगा। खर्चों की अधिकता रहेगी।

वृश्चिक: मानसिक शान्ति रहेगी। संयत रहें। बातचीत में सन्तुलित रहें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। माता-पिता का साथ मिलेगा। खर्चों में वृद्धि होगी।

धनु: आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। मन प्रसन्न रहेगा। बातचीत में संयत रहें। पिता के स्वास्थ्य में सुधार होगा। मन में निराशा एवं असन्तोष के भाव रहेंगे।

मकर: आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। कारोबार में भाग-दौड़ अधिक रहेगी। किसी मित्र का सहयोग मिल सकता है।

कुंभ: आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे। कला या संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। नौकरी में कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है।

मीन: दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। धार्मिक कार्यों एवं सम्पत्ति के रख-रखाव पर खर्च बढ़ेंगे। भागदौड़ अधिक रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

चुटकुले

भाई कितनी भी पढ़ाई कर लो, डिग्री-विग्री ले लो...
लेकिन रेस्टोरेंट के दरवाजे पर Push और Pull
लिखा देखते हो तो...
2-3 सेकेंड के लिए सोचना जरूर पड़ता है कि
दरवाजा धकेलना है कि खींचना है।

घर जमाई- आज से मैं रोटी नहीं चावल खाऊंगा.
ससुर- ऐसा क्यों?
घर जमाई- मोहल्ले वालों के ताने सुनकर थक गया हूं
रोज कहते हैं कि मैं ससुराल वालों की रोटी तोड़ता हूं।

मरीज- ऑपरेशन सही से करना.
डॉक्टर- ऐसा क्यों कहा?
मरीज- क्यूंकि सर्जन और विसर्जन में थोड़ा सा ही फर्क है।
यदि ऑपरेशन सही से हो गया तो आप सर्जन और
यदि आपका हाथ हिल गया तो फिर मेरा विसर्जन।

प्रिय पाठकों,
आप भी हमें भेज सकते हैं अपनी लिखी हुई कविता, चुटकुले, विचार, आर्टिकल या शहर से जुड़ी हुई कोई भी समस्या। हम उसे प्रमुखता से प्रकाशित करेंगे।

करंट क्राइम

K-4, A-Block, Govindpuram Commercial Area, Near LG Showroom, Ghaziabad, Mob 09899655497
Email: currentcrimenews@gmail.com
Website: www.currentcrime.com

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक मनोज कुमार ने ए.जी.एस. पब्लिकेशन, एफ-23, सैक्टर-6, नोएडा-201301 (गौतमबुद्धनगर) उत्तर प्रदेश से छपवाकर कार्यालय 'करंट क्राइम' बी-2बी/295, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 से प्रकाशित किया। R.N.I NO. DELHIN/2015/65364

सम्पादक : मनोज कुमार
समाचार संपादक दीपक भाटी

संरक्षक : राकेश यादव, विवेक भाटी

दैनिक करंट क्राइम
समाचार पत्र में किसी भी तरह के डिस्प्ले एवं वर्गीकृत विज्ञापन (खोया-पाया, संबंध-विच्छेद, कोर्ट नोटिस, जीडीए सूचना, नाम परिवर्तन) आदि के लिए निम्न फोन नंबर एवं पते पर संपर्क करें।
संपर्क : के-2, ए ब्लॉक, कॉमर्शियल मार्केट, गोविन्दपुरम, गाजियाबाद
मो. : 9818606318 (हरीश कुमार)
8630290003 (विष्णु गुप्ता)

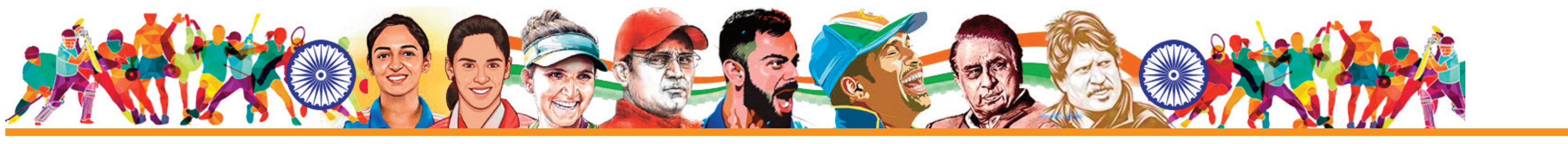

करोड़ों की कमाई, पर फीका प्रदर्शन! छह साल से चौंका रहा ये खिलाड़ी

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 में एक बार फिर शाहरुख खान का नाम चर्चा में है। वजह उनका प्रदर्शन नहीं, बल्कि लगातार मिलने वाले महंगे कॉन्ट्रैक्ट हैं। पिछले छह सीजन से पंजाब किंग्स और गुजरात टाइटंस जैसी टीमों ने उन पर करोड़ों रुपये खर्च किए, लेकिन आंकड़े उम्मीदों के मुताबिक नहीं रहे। 64 मैचों के करियर में सिर्फ 775 रन, औसत 20.39 और कोई शतक नहीं। 2026 सीजन में भी नौ मैचों में सिर्फ 43 रन बने हैं। इसके बावजूद टीमें अब भी उन पर भरोसा दिखाती हैं। सवाल यही है कि आखिर ऐसा क्यों?

आईपीएल में हर साल कुछ खिलाड़ियों पर बोली लगती है, कुछ पर भरोसा जताया जाता है और कुछ नाम ऐसे होते हैं, जिन पर सवाल भी उठते हैं।

गुजरात टाइटंस के ऑलराउंडर शाहरुख खान उन्हीं खिलाड़ियों में शामिल हैं। पिछले छह वर्षों से फ्रेंचाइजियां उन पर करोड़ों रुपये खर्च कर रही हैं, लेकिन प्रदर्शन अब तक उस कीमत के बराबर नजर नहीं आया। 2026 सीजन में भी गुजरात टाइटंस ने उन्हें चार करोड़ रुपये में अपने साथ रखा, लेकिन आंकड़े फिर निराश करने वाले हैं।

यही वजह है कि सोशल मीडिया पर भी उनके रोल और कीमत को लेकर बहस तेज है।

शाहरुख खान का आईपीएल में हर साल प्रदर्शन

साल	मैच	रन	सर्वश्रेष्ठ स्कोर	स्ट्राइक रेट
करियर	64	775	58	147.90
2026	9	43	17	130.30
2025	15	179	57	179.00
2024	7	127	58	169.33
2023	14	156	41*	165.96
2022	8	117	26	108.33
2021	11	153	47	134.21

करोड़ों की कमाई, हर साल बड़ा भरोसा

शाहरुख खान को सबसे पहले 2021 में पंजाब किंग्स ने 5.25 करोड़ रुपये में खरीदा था। इसके बाद 2022 और 2023 में उन्हें नौ-नौ करोड़ रुपये मिले। फिर गुजरात टाइटंस ने 2024 में उन पर 7.4 करोड़ रुपये खर्च किए। 2025 और 2026 में भी चार-चार करोड़ रुपये देकर टीम ने उन्हें अपने साथ बनाए रखा। यानी छह सीजन में फ्रेंचाइजियों ने लगातार उन पर बड़ा निवेश किया।

लेकिन आंकड़े क्या कहते हैं?

अगर करियर आंकड़ों पर नजर डालें तो शाहरुख खान ने 64 मैचों में 775 रन बनाए हैं। उनका औसत 20.39 और स्ट्राइक रेट 147.90 है। उन्होंने अब तक आईपीएल में एक भी शतक नहीं लगाया है और सिर्फ दो अर्धशतक ही दर्ज हैं। फिनिशर माने जाने वाले खिलाड़ी के लिए ये आंकड़े बहुत प्रभावशाली नहीं माने जाते।

2026 सीजन में और भी खराब हाल

आईपीएल 2026 में शाहरुख खान ने नौ मैच खेले हैं। इस दौरान उन्होंने सिर्फ 43 रन बनाए हैं। उनका औसत 10.75 और स्ट्राइक रेट 130.30 रहा है।

सबसे बड़ा स्कोर सिर्फ 17 रन है। इस सीजन में उनके बल्ले से कोई बड़ी पारी तो दूर, एक भी फिफ्टी नहीं निकली। टीम जब फिनिशिंग की उम्मीद करती है, तब आंकड़े उम्मीद से काफी नीचे दिखते हैं।

हालिया मैचों में भी नहीं चला बल्ला

हाल के मुकाबलों में भी शाहरुख खान प्रभाव नहीं छोड़ सके। गुजरात के नौ मैचों में से चार मैचों में तो उन्हें बल्लेबाजी का मौका भी नहीं मिला, जो यह भी दिखाता है कि टीम में उनकी भूमिका पूरी तरह स्थिर नहीं है।

उनके बल्लेबाजी क्रम में लगातार बदलाव किया जा रहा है और यह दिखाता है कि फ्रेंचाइजी को अब भी क्षमता पर भरोसा नहीं है।

आईपीएल मैच में दिखा ग्लैमर का जलवा पीवी सिंधू और काव्या मारन ने बढ़ाया फैंस का उत्साह

हैदराबाद। सनराइजर्स हैदराबाद और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के बीच खेले गए आईपीएल मुकाबले में खूबसूरती का तड़का लगा है। ओलंपियन पीवी सिंधू और काव्या मारन मुकाबले का लुत्फ देखने पहुंचीं, जहां फैंस उन्हें देखकर उत्साहित हो गए।

सनराइजर्स हैदराबाद और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के बीच खेले गए आईपीएल मुकाबले में क्रिकेट के साथ ग्लैमर का भी जबरदस्त तड़का देखने को मिला। इस रोमांचक मैच को देखने के लिए ओलंपियन पीवी सिंधू और सनराइजर्स की मालकिन काव्या मारन स्टेडियम पहुंचीं, जिससे फैंस का उत्साह और बढ़ गया।

काव्या मारन और पीवी सिंधू ने बढ़ाया प्रशंसकों का उत्साह

मैच के दौरान जैसे ही कैमरा स्टैंड्स की ओर घूमा, दर्शकों की नजर इन दोनों चर्चित हस्तियों पर टिक गई। सनराइजर्स हैदराबाद की मालकिन काव्या मारन अक्सर अपनी टीम को सपोर्ट करते हुए दिखाई देती हैं, जबकि पीवी सिंधू की मौजूदगी ने इस मुकाबले को और खास बना दिया। सोशल मीडिया पर प्रशंसक उनकी तस्वीरों को साझा कर रहे हैं।

प्लेऑफ के लिए आखिरी दांव! 10 टीमों का समीकरण और बाकी बचे मैच

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुका है, जहां 10 टीमों के बीच प्लेऑफ की चार जगहों के लिए कड़ी टक्कर जारी है। पंजाब किंग्स, आरसीबी, सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स फिलहाल मजबूत स्थिति में हैं, जबकि गुजरात टाइटंस अभी भी चुनौती पेश कर रही है।

आईपीएल 2026 के लिए प्लेऑफ की जंग अब दिलचस्प हो चली है। इस जंग में कुछ टीमें काफी आगे निकल चुकी हैं तो कुछ की हालत बेहद खराब है। लीग चरण के कुल 70 मुकाबलों में से 44 मैच खेले जा चुके हैं। नए 10 टीमों के फॉर्मेट में हर टीम को 14-14 मैच खेलने हैं। ऐसे में अब प्लेऑफ की चार जगहों के लिए मुकाबला बेहद अहम मोड़ पर पहुंच चुका है। शनिवार को खेले गए मुकाबले में चेपॉक स्टेडियम में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने मुंबई इंडियंस (एमआई) को हरा दिया और अंक तालिका में छठा स्थान हासिल किया।

कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ और युवा बल्लेबाज कार्तिक शर्मा की अर्धशतकीय पारी के दम पर सीएसके ने एमआई को आठ विकेट से हराया। वहीं, हार के साथ मुंबई की टीम नौवें स्थान पर है। टीम सिर्फ दो ही मैच जीत सकी है। मौजूदा समीकरण के हिसाब से मुंबई के प्लेऑफ में पहुंचने की संभावना बेहद कम है, जबकि चेन्नई के लिए भी आसान नहीं होगा। सभी मैच जीतने के बावजूद टीम को अन्य नतीजों पर निर्भर रहना होगा। फिलहाल शीर्ष-चार में मौजूद तीन टीमों के 12-12 अंक हैं, जबकि एक टीम 13 अंकों के साथ सबसे आगे है। दूसरी ओर नीचे की टीमों के पास अभी भी गणितीय उम्मीद बाकी है, लेकिन उनके पास मैच कम हैं और गलती की गुंजाइश लगभग खत्म हो चुकी है।

ऑरेंज और पर्पल कैप के लिए कौन दावेदार

टॉप-4 के सबसे मजबूत दावेदार

इस समय प्लेऑफ में पहुंचने की सबसे ज्यादा संभावना चार टीमों की दिख रही है, पंजाब किंग्स, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स। इन चारों टीमों के 12 से 13 अंक हैं, नेट रन रेट सकारात्मक है और 16 या उससे ज्यादा अंकों तक पहुंचने का मजबूत रास्ता मौजूद है। चेन्नई सुपर किंग्स, दिल्ली कैपिटल्स, कोलकाता नाइट राइडर्स, मुंबई इंडियंस और लखनऊ सुपर जाएंट्स के लिए रास्ता लगभग बंद होता दिख रहा है। इन टीमों के लिए या तो अधिकतम अंक कम पड़ रहे हैं, या फिर क्वालिफाई करने के लिए सभी मैच जीतने के साथ टॉप-4 टीमों के लगातार हारने जैसी मुश्किल परिस्थितियों की जरूरत है। लीग चरण के आखिरी हफ्ते से पहले तस्वीर काफी हद तक साफ हो सकती है।

रोवमन पॉवेल का अविश्वसनीय कैच! हवा में छलांग लगाकर एक हाथ से पकड़ी गेंद, जमीन पर गिरे तो टूटा चश्मा

हैदराबाद। केकेआर के स्टार खिलाड़ी रोवमन पॉवेल ने रविवार को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ शानदार कैच लेकर प्रशंसकों को हैरान कर दिया। सोशल मीडिया पर उनके स्टनिंग कैच का वीडियो वायरल हो रहा है।

कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के स्टार खिलाड़ी रोवमन पॉवेल ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ ऐसा शानदार कैच पकड़ा, जिसे देखकर हर कोई दंग रह गया। उनके इस अविश्वसनीय प्रयास का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और फैंस इसे सीजन का सर्वश्रेष्ठ कैच बता रहे हैं।

पॉवेल का शानदार कैच: यह रोमांचक पल हैदराबाद की पारी के 11वें ओवर में देखने को मिला। कैमरन ग्रीन की गेंद पर हेनरिक क्लासेन ने जोरदार शॉट खेला, जो डीप मिडविकेट की दिशा में गया। शुरूआत में ऐसा लगा कि पॉवेल गेंद को मिस कर देंगे, क्योंकि वह दौड़ते हुए थोड़ा आगे निकल गए थे। लेकिन अगले ही पल उन्होंने अपनी गलती को समझा और पीछे की ओर हवा में छलांग लगाते हुए दाएं हाथ से एक हाथ में ही गेंद को लपक लिया।

सिर जमीन से टकराया, लेकिन नहीं छोड़ी गेंद

कैच लेते समय पॉवेल जमीन पर बुरी तरह गिरे और उनका सिर भी टकराया, जिससे उनका चश्मा टूट गया। इसके बावजूद उन्होंने गेंद पर पकड़ बनाए रखी। अंपायर ने इस कैच की वैधता की पुष्टि के लिए कई बार रिप्ले देखा, क्योंकि गिरते समय उनका हाथ जमीन से छूता नजर आया था। अंततः थर्ड अंपायर ने इसे क्लीन कैच करार दिया और क्लासेन को पवेलियन लौटना पड़ा।

थॉमस कप के सेमीफाइनल में भारत को मिली हार

नई दिल्ली। अंतिम स्कोर 0-3 रहा और भारत टूर्नामेंट से बाहर हो गया, लेकिन यह आंकड़ा मैच की वास्तविक प्रतिस्पर्धा को पूरी तरह नहीं दशार्ता। आइए जानते हैं कि इस मैच में किस किस के बीच मुकाबले हुए...

थॉमस कप 2026 के सेमीफाइनल में भारत और फ्रांस के बीच शनिवार को खेला गया हाई-वोल्टेज ड्रामे की तरह था। डेनमार्क के फोरम हॉर्सेंस एरिना में खेले गए मैच का माहौल भारतीय और फ्रांसीसी प्रशंसकों के जोश ने रोमांचक बना दिया था। अंतिम स्कोर 0-3 रहा और भारत टूर्नामेंट से बाहर हो गया, लेकिन यह आंकड़ा मैच की वास्तविक प्रतिस्पर्धा को पूरी तरह नहीं दशार्ता। मुकाबले के दौरान कई ऐसे क्षण आए जब भारतीय खिलाड़ियों ने फ्रांस को दबाव में डाला और वापसी की उम्मीद जगाई। फिर भी, निर्णायक मौकों पर फ्रांसीसी खिलाड़ियों ने संयम और सटीकता दिखाते हुए मैच अपने पक्ष में कर लिया।

फ्रांस पहली बार थॉमस कप के फाइनल में

इस जीत के साथ फ्रांस ने पहली बार थॉमस कप के फाइनल में जगह बनाई। फ्रांस की सफलता के मुख्य सूत्रधार रहे टोमा जूनियर पोपोव और क्रिस्टो पोपोव भाइयों ने न केवल शानदार खेल दिखाया, बल्कि रणनीतिक रूप से भी भारतीय टीम को पीछे छोड़ दिया।

उन्होंने एकल और डबल्स दोनों में भाग लेते हुए टीम को संतुलन दिया, और मैच क्रम इस तरह तय किया गया कि उन्हें पर्याप्त आराम मिल सके।

लक्ष्य सेन नहीं खेल पाए मुकाबला

भारत के लिए सबसे बड़ा झटका था लक्ष्य सेन का चोट के कारण बाहर होना। उनकी अनुपस्थिति ने टीम संयोजन को प्रभावित किया। पहले सिंगल्स में आयुष शेट्टी को उतारा गया, लेकिन वे दबाव को संभाल नहीं पाए और क्रिस्टो पोपोव के खिलाफ सीधे गेम में हार गए।

श्रीकांत ने दी टक्कर, पर हारे

दूसरे सिंगल्स में किदांबी श्रीकांत ने अनुभव का बेहतरीन प्रदर्शन किया। उन्होंने एलेक्स लैनियर को कड़ी टक्कर दी और कई मौकों पर बढ़त भी बनाई। हालांकि, अहम क्षणों में सटीकता की कमी के कारण वे मैच गंवा बैठे। उन्होंने शुरूआती बढ़त हासिल की, लेकिन टोमा जूनियर पोपोव ने अपनी गति और नियंत्रण से मैच पलट दिया।

सुनील नरेन IPL में 200 विकेट पूरे करने वाले पहले विदेशी

हैदराबाद। केकेआर के अनुभवी स्पिनर सुनील नरेन ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया। आईपीएल के तीसरे सबसे सफल गेंदबाज नरेन ने इसके साथ ही एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली है।

कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के अनुभवी स्पिनर सुनील नरेन ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ बड़ी उपलब्धि अपने नाम दर्ज कर ली है। नरेन आईपीएल में 200 विकेट पूरे करने वाले कुल तीसरे और पहले विदेशी गेंदबाज बन गए हैं। नरेन से पहले युजवेंद्र चहल और भुवनेश्वर कुमार टूनामेंट में 200 से अधिक विकेट ले चुके हैं। नरेन आईपीएल के तीसरे सबसे सफल गेंदबाज भी हैं। गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की मदद से केकेआर ने सनराइजर्स हैदराबाद को बड़ा स्कोर बनाने से रोका। हैदराबाद ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया।

टी-20 विश्वकप टीम से चूकने वाली हरलीन देओल को मिली भारत ए की कमान

मुंबई। महिला टी20 विश्व कप 2026 के लिए चुने गए भारतीय स्क्वॉड से चूकने वाली हरलीन देओल को बीसीसीआई ने भारत ए की कमान सौंपी है। वह इंग्लैंड ए के खिलाफ वनडे सीरीज में टीम का नेतृत्व करती नजर आएंगी।

महिला टी20 विश्व कप 2026 के लिए शनिवार को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने टीम इंडिया का एलान कर दिया। हरमनप्रीत कौर की अगुवाई मे भारतीय टीम 14 जून से पाकिस्तान के खिलाफ मैच के जरिये अपने अभियान की शुरूआत करेगी।

इस टीम में हरलीन देओल को मौका नहीं मिला, लेकिन उन्हें इंग्लैंड ए के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए भारत ए टीम की कमान सौंपी गई है।

टी20 और वनडे सीरीज खेलेगी भारत ए टीम

वनडे से पहले भारतीय ए टीम इंग्लैंड ए के खिलाफ तीन टी20 मैचों की सीरीज भी खेलेगी। भारत ए टी20 टीम की कमान अनुष्का शर्मा को सौंपी गई है। टी20 सीरीज की शुरूआत 20 जून से नॉर्थैम्पटन में होगी। इसके बाद 23 और 25 जून को क्रमशः दूसरा और तीसरा टी20 मुकाबला खेला जाएगा।

वहीं, वनडे सीरीज का आगाज 28 जून से होगा। दूसरा और तीसरा वनडे मैच क्रमशः एक और चार जुलाई को खेला जाएगा।

इंग्लैंड ए के खिलाफ टी20 के लिए भारत ए टीम

अनुष्का शर्मा (कप्तान), वृंदा दिनेश (उपकप्तान), जी कमलिनी (विकेटकीपर), उमा छेत्री, वैष्णवी शर्मा, प्रेमा रावत, पूवार्जा वेर्लेकर, जिन्तिमणि कलिता, साइमा ठाकोर, सिमरन बहादुर, श्वेता सहरावत, दीया यादव, मिन्नू मणि, शबनम शकील, तनुजा कंवर।

इंग्लैंड ए के खिलाफ वनडे के लिए भारत ए टीम

हरलीन देयोल (कप्तान), प्रतिका रावल (उपकप्तान), प्रिया पुनिया, तनीषा सिंह, जी कमलिनी (विकेटकीपर), उमा छेत्री (विकेटकीपर), तेजल हसब्निस, निकी प्रसाद, प्रेमा रावत, तनुजा कंवर, वैष्णवी शर्मा, शबनम शकील, सयाली सतघरे, जिन्तिमणि कलिता, साइमा ठाकोर।

हार्दिक के आउट होने पर माहिका का रिएक्शन, मैच देखने चेपॉक पहुंचे धनुष

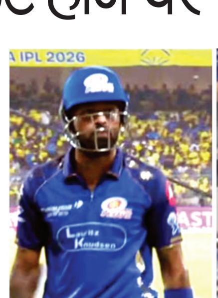

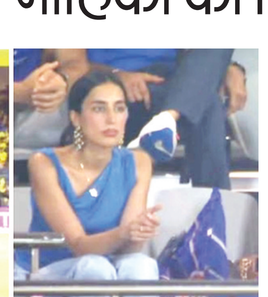

चेन्नई। एल क्लासिको के नाम से मशहूर इन दो टीमों के बीच मैच में कई दिलचस्प पल भी देखने को मिले।मुंबई ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर मे सात विकेट पर 159 रन बनाए थे। सीएसके ने 160 के लक्ष्य को 11 गेंद शेष रहते आठ विकेट हासिल कर लिया।

आईपीएल 2026 का 44वां मुकाबला शनिवार को चेपॉक स्टेडियम में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और मुंबई इंडियंस (एमआई) के बीच खेला गया। कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ और युवा बल्लेबाज कार्तिक शर्मा की अर्धशतकीय पारी के दम पर सीएसके ने एमआई को आठ विकेट से हरा दिया। एल क्लासिको के नाम से मशहूर इन दो टीमों के बीच मैच में कई दिलचस्प पल भी देखने को मिले।

1. ऋतुराज ने पत्नी को दी फ्लाइंग किस

चेन्नई के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने सीएसके की मुंबई पर जीत में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने 48 गेंद में पांच चौके और दो छक्कों की मदद से 67 रन की नाबाद पारी खेली। ऋतुराज ने कार्तिक शर्मा के साथ 98 रन की नाबाद साझदारी निभाई। अर्धशतक लगाने के बाद ऋतुराज ने दर्शक दीर्घा में बैठीं उनकी पत्नी उत्कर्षा को फ्लाइंग किस भी दी। ऋतुराज की बल्लेबाजी खराब रही थी और उन्हें फॉर्म में लौटता देख उत्कर्षा भी काफी खुश नजर आईं।

2. माहिका दिखीं उदास

इस मैच में मुंबई की टीम पहले बल्लेबाजी कर रही थी। हालांकि, टीम ने काफी धीमी शुरूआत की। ऐसे में टीम को कप्तान हार्दिक पांड्या से काफी उम्मीदें थीं, लेकिन वह भी 23 गेंद में दो चौके की मदद से 18 रन बनाकर चलते बने। वापस पवेलियन लौटते वक्त उनकी गर्लफ्रैंड माहिका को दिखाया गया, जो कि काफी उदास दिख रही थीं।

3. मैच देखने पहुंचे धनुष

साउथ के दिग्गज अभिनेता धनुष भी यह मैच देखने के लिए चेपॉक में मौजूद रहे। उनकी तस्वीर भी खूब वायरल हुई और लोगों ने काफी पसंद किया।

4. कार्तिक शर्मा का धोनी वाला अंदाज

चेन्नई सुपर किंग्स के विकेटकीपर बल्लेबाज कार्तिक शर्मा को फ्रेंचाइजी ने 14.20 करोड़ रुपये में खरीदा था। हालांकि, इस मैच से पहले तक उनका बल्ला कुछ खास नहीं चला था। इस मैच में उन्होंने शानदार बल्लेबाजी की और आईपीएल करियर का पहला अर्धशतक लगाया। अर्धशतक लगाने के बाद उनका गन सेलिब्रेशन ठीक उस तरह था, जैसा सेलिब्रेशन धोनी ने अक्तूबर 2005 में श्रीलंका के खिलाफ 183 रन की पारी खेलने के बाद किया था। कार्तिक धोनी की तरह विकेटकीपर भी हैं।

5. सूर्यकुमार ने ऋतुराज को दी बधाई

आईपीएल 2026 में मुंबई के खराब प्रदर्शन की एक वजह सूर्यकुमार यादव का फ्लॉप रहना रहा है। हालांकि, सीएसके से मैच के दौरान ऋतुराज को उन्होंने फॉर्म में वापस लौटने की बधाई जरूर दी। सूर्यकुमार ने सीएसके के खिलाफ 12 गेंद में 21 रन की पारी खेली।

6. दुबे-हार्दिक के बीच क्या बात?

तस्वीरों में हार्दिक पांड्या और शिवम दुबे के बीच मैच के दौरान एनिमेटेड बातचीत होती दिख रही है। दोनों खिलाड़ी आमने-सामने खड़े हैं और हार्दिक हाथ के इशारों के साथ कुछ समझाते या जवाब देते नजर आ रहे हैं, जबकि दुबे भी ध्यान से सुनते हुए प्रतिक्रिया दे रहे हैं। ऐसा प्रतीत हो रहा है मानो किसी गेंद, शॉट या मैदान पर हुई घटना को लेकर बात चल रही है। दोनों गंभीर दिख रहे होते हैं।

7. बोल्ट का 90 मीटर का छक्का

ट्रेंट बोल्ट ने सीएसके के खिलाफ अपनी पहली ही गेंद पर 90 मीटर का जोरदार छक्का लगाया। अंशुल कंबोज गेंदबाजी कर रहे थे। बोल्ट का फॉर्म इस सीजन खराब रहा है। उन्हें ज्यादा विकेट भी नहीं मिले हैं और ऐसे में उन्होंने बल्लेबाजी के दौरान छक्का जड़कर अपनी भड़ास निकाली।

पूर्व एफ1 ड्राइवर और पैरालंपिक चैंपियन जनार्डी का निधन, 59 साल की उम्र में ली अंतिम सांस

नई दिल्ली। एलेक्स जनार्डी का शनिवार को 59 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। उनके परिवार ने एक बयान जारी करते हुए इसकी पुष्टि की। परिवार के अनुसार, पूर्व चैंपियन ने अपने परिवार और करीबी दोस्तों के बीच शांतिपूर्वक अंतिम सांस ली।

जनार्डी अपने शानदार कमबैक के लिए दुनियाभर में जाने जाते थे। साल 2001 में एक रेसिंग दुर्घटना में उन्होंने अपने दोनों पैर गंवा दिए थे, जिससे उनका मोटर रेसिंग करियर समाप्त हो गया। हालांकि, जनार्डी ने हार नहीं मानी और पैरा साइकिलिंग में पहचान बनाई। इटली का प्रतिनिधित्व करते हुए उन्होंने पैरालंपिक गेम्स 2012 और 2016 में हिस्सा लिया, जहां उन्होंने 4 गोल्ड और 2 सिल्वर मेडल जीते।

जनार्डी के परिवार ने घोषणा की, ₹बड़े दुख के साथ परिवार एलेसेंड्रो जनार्डी के निधन की घोषणा करता है, जो कल शाम, 1 मई को हुआ। एलेक्स का निधन शांतिपूर्वक हुआ, उस समय उनके आस-पास उनका परिवार और दोस्त मौजूद थे। परिवार उन सभी लोगों का तहे दिल से शुक्रिया अदा करना चाहता है, जो इस समय अपना समर्थन दिखा रहे हैं, और अनुरोध करता है कि शोक की इस अवधि के दौरान उनके दुख और निजता का सम्मान किया जाए।

फॉर्मूला 1 के अध्यक्ष और सीईओ स्टेफानो डोमेनिकाली ने एक बयान में कहा, 'मेरे प्यारे दोस्त एलेक्स जनार्डी के निधन से मुझे गहरा दुख हुआ है। वे एक इंसान और एक एथलीट के तौर पर सचमुच एक प्रेरणादायी व्यक्ति थे। मैं हमेशा उनकी असाधारण हिम्मत को याद रखूंगा। उन्होंने ऐसी चुनौतियों का सामना किया जो किसी को भी रोक सकती थीं, फिर भी वे हमेशा आगे देखते रहे, हमेशा मुस्कान के साथ और एक पक्के इरादे के साथ जिसने हम सभी को प्रेरित किया। हालांकि, उनके जाने का दुख बहुत गहरा है, लेकिन उनकी विरासत हमेशा कायम रहेगी। इस समय, मेरी संवेदनाएं और सहानुभूति उनकी पत्नी डेनिएला, उनके बेटे निकोलो, परिवार के बाकी सदस्यों और उन सभी लोगों के साथ है, जिन्हें उन्हें जानने का सौभाग्य मिला।'

यह इटैलियन खिलाड़ी मोटरस्पोर्ट के सबसे लोकप्रिय चेहरों में से एक था, जिसने 1990 के दशक में जॉर्डन, मिनार्डी, लोटस और विलियम्स के साथ 41 ग्रांप्री में फॉर्मूला 1 में हिस्सा लिया।

जनार्डी का सबसे बेहतरीन दौर 1993 और 1994 में लोटस के साथ रहा, जब उन्होंने ब्राजील में अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ छठा स्थान हासिल किया।

गाजियाबाद आसपास

कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा ने डिफेंस कॉलोनी में किया संवाद

- क्षेत्र की समस्याओं के त्वरित समाधान का दिया भरोसा

साहिबाबाद, करंट क्राइम। उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री एवं स्थानीय विधायक श्री सुनील शर्मा ने रविवार को भोपुरा मंडल के अंतर्गत वार्ड-29, कुटी स्थित डिफेंस कॉलोनी का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने सी-ब्लॉक में मास्टर जितेंद्र सैन के आवास पर आयोजित एक कार्यक्रम में स्थानीय निवासियों से सार्थक संवाद कर क्षेत्र की स्थिति का जायजा लिया।

संवाद के दौरान स्थानीय नागरिकों ने पेयजल, जलभराव और सड़कों से जुड़ी मूलभूत समस्याओं को मंत्री जी के समक्ष रखा। श्री सुनील शर्मा ने सभी शिकायतों को गंभीरता से सुना और अधिकारियों को निर्देशित करते हुए आश्वासन दिया कि क्षेत्र की सभी समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर जल्द से जल्द समाधान सुनिश्चित किया जाएगा।

जन-संवाद के पश्चात माननीय मंत्री जी ने वार्ड के सक्रिय भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ एक विशेष बैठक की।

बैठक में आगामी संगठनात्मक कार्यों और विकास योजनाओं पर चर्चा की गई। उन्होंने कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा, आप सभी का विश्वास और साथ ही हमारी वास्तविक शक्ति है।

इस अवसर पर मास्टर जितेंद्र सैन सहित भारी संख्या में स्थानीय निवासी और भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे। नागरिकों ने अपनी समस्याओं को सीधे मंत्री जी तक पहुँचाने के इस अवसर की सराहना की।

राज्य स्तरीय रोल बॉल टूर्नामेंट

गाजियाबाद की बेटियों ने जीता सोना बालक वर्ग में आगरा बना चैंपियन

- ➩ कोलंबिया कॉन्वेंट इंस्टीट्यूट में तीन दिवसीय प्रतियोगिता का समापन
- ➩ पदक विजेताओं को मेडल और ट्रॉफी देकर किया गया सम्मानित

गाजियाबाद करंट क्राइम। मेरठ रोड स्थित कोलंबिया कॉन्वेंट इंस्टीट्यूट में आयोजित तीन दिवसीय राज्य स्तरीय रोल बॉल टूर्नामेंट का आज भव्य समापन हुआ। प्रतियोगिता के अंतिम दिन रोमांचक मुकाबलों के बीच खिलाड़ियों ने अपने कौशल से दर्शकों का दिल जीत लिया।

बालक वर्ग के सेमीफाइनल मुकाबलों में आगरा ने हापुड़ को 5-1 से और लखनऊ ने मुजफ्फरनगर को 6-2 से हराकर फाइनल में अपनी जगह बनाई। फाइनल मुकाबला बेहद संघर्षपूर्ण रहा, जहाँ निर्धारित समय तक आगरा और लखनऊ की टीमें 4-4 की बराबरी पर थीं। अतिरिक्त समय में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए आगरा ने लखनऊ को 8-5 से शिकस्त देकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इस वर्ग में मुजफ्फरनगर और हापुड़ को संयुक्त रूप से कांस्य पदक प्राप्त हुआ।

बालिका वर्ग के फाइनल मैच में मेजबान गाजियाबाद ने आगरा को 5-2 के अंतर से हराकर स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया।

स्टार परफॉर्मर: कप्तान इप्सा कपूर ने सर्वाधिक 8 गोल दागे, जबकि एधिता भाटी ने 7 गोल किए।

टीम वर्क: रिद्धि सेन (2), लावण्या त्यागी (2) और वेदांशी (1) ने जीत में अहम भूमिका निभाई।

डिफेंस: रक्षापंक्ति में अवीका और तेजस्विनी तथा गोलकीपर अपरा मित्तल के असाधारण प्रदर्शन ने विपक्षी टीम को रोके रखा।

इस वर्ग में आगरा को रजत तथा गौतम बुद्ध नगर व मुजफ्फरनगर को कांस्य पदक मिला। समारोह के मुख्य अतिथि राकेश त्यागी (अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश राज्य रोल बॉल स्पोर्ट्स एसोसिएशन) और प्रदेश सचिव संतोष सर ने विजेताओं को पुरस्कृत किया। संस्थान के चेयरमैन श्री वी.एम. त्यागी और प्रिंसिपल डॉ. ललिता सिंह ने सभी खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस प्रतियोगिता में सुनीता गुप्ता, सुमित पाराशर, मनीष, ओम शिव, तरुण यादव, सौरव गुप्ता और नदीम मोहम्मद ने निर्णायक की महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। गौरतलब है कि इस टूनामेंट के माध्यम से चयनित खिलाड़ी आगामी 'सब जूनियर नॉर्थ जोन प्रतियोगिता' में उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगे।

वार्ड 45 में निशुल्क स्वास्थ्य शिविर

पूर्व पार्षद बिजेंद्र चौहान ने चिकित्सकों किया सम्मानित

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। वार्ड 45 के कृष्णा कॉलोनी एकता मंच द्वारा विद्यांजलि मेमोरियल पब्लिक स्कूल में निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में आंख, बीपी, शुगर, महिला रोग, फिजियोथैरेपी, दांत एवं सामान्य रोगों की जांच की गई।

आसपास के करीब सैकड़ों लोगों ने स्वास्थ्य परीक्षण कराया, जिनमें महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग शामिल रहे। शिविर का उद्देश्य गरीब एवं जरूरतमंद लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना था।

शिविर के समापन पर पूर्व पार्षद विजेन्द्र चौहान ने सभी चिकित्सकों और विद्यालय प्रशासन को सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि इस तरह के शिविर समय-समय पर लगते रहने चाहिए ताकि आमजन को राहत मिले। इस अवसर पर राकेश श्रीवास्तव, रौशन मंडल, राकेश चौहान, अमित मोटवाल, दीपचंद विश्वकर्मा, प्रमोद सक्सेना, बीरसैन कश्यप, अजय राणा, शत्रुघ्न कुशवाहा, अभिषेक मौर्या, हरीश तिवारी, जितेंद्र गिरी आदि लोग मौजूद रहे।

नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर में जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी

बालकिशन गुप्ता के नेतृत्व में 100 से अधिक बच्चों को लाभ

गाजियाबाद करंट क्राइम। राष्ट्रीय व्यापार मंडल के सौजन्य से रविवार को कवि नगर स्थित जिला कार्यालय (KG-35) में सेरेब्रल पालसी (जन्मजात विकलांगता) एवं बच्चों की हड्डी संबंधी रोगों पर निःशुल्क जांच शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर त्रिसला फाउंडेशन व कोरेक फिजियो केयर के सहयोग से आयोजित हुआ, जिसमें विशेषज्ञ डॉक्टरों ने बच्चों का परीक्षण कर परामर्श दिया।

शिविर का सफल आयोजन जिला अध्यक्ष बालकिशन गुप्ता के नेतृत्व में हुआ। उनके निर्देशन में पूरे दिन चले इस शिविर में 100 से अधिक दिव्यांग बच्चों ने लाभ प्राप्त किया।

कार्यक्रम का उद्घाटन उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री नरेन्द्र कश्यप ने किया। उन्होंने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे शिविर समाज के लिए अत्यंत उपयोगी हैं। मुख्य अतिथि विधायक अजीतपाल त्यागी ने भी राष्ट्रीय व्यापार मंडल के सामाजिक कार्यों को सराहनीय बताया और इसे निरंतर जारी रखने की बात कही।

प्रयागराज से आए डॉक्टर जे.के. जैन व डॉक्टर तपस पाल की टीम ने शिविर में विशेष रूप से भाग लिया और अपने अनुभव से लोगों को लाभान्वित किया। सभी मरीजों का परीक्षण कर उन्हें निःशुल्क चिकित्सकीय परामर्श दिया गया।

इस अवसर पर राकेश शर्मा, प्रदीप चौधरी, संदीप त्यागी, रसम पंडित, अशोक भारतीय, संजय शर्मा, राकेश गुप्ता, सौरभ यादव, समीर शर्मा, मनोज कुमार, राजीव त्यागी, राज आलोक त्यागी, विक्रांत चौधरी, वीरेन्द्र कंडेरे, कमल शर्मा, अनिल मेहरा सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी अतिथियों का पटका पहनाकर व स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया गया तथा आयोजन में सहयोग दिया गया।

नवयुग मार्केट में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए अनिल अग्रवाल

नाम परिवर्तन के प्रस्ताव पर रखा पक्ष

गाजियाबाद, करंट क्राइम। शहर के नवयुग मार्केट में आयोजित एक कार्यक्रम में जिला गाजियाबाद का नाम ह्यमहाराजा अग्रसेन नगरह्ल किए जाने के विषय पर चर्चा की गई। कार्यक्रम में पूर्व राज्यसभा सांसद अनिल अग्रवाल ने सहभागिता की। इस दौरान अनिल अग्रवाल ने कहा कि इस प्रस्ताव को लेकर वे संबंधित स्तर पर प्रयास करेंगे। उन्होंने वहां मौजूद लोगों को आश्वस्त किया कि इस कार्य को आगे बढ़ाने के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा। कार्यक्रम में स्थानीय लोग और व्यापारी वर्ग के लोग उपस्थित रहे।

सिलेंडर के दाम बढ़ने से 15 फीसदी तक भोजन महंगा

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। व्यवसायिक गैस के दामों में हालिया बढ़ोतरी का असर अब आम लोगों की थाली तक साफ दिखाई देने लगा है। शहर के विभिन्न इलाकों, खासकर राजनगर एक्सटेंशन और आरडीसी में होटल और रेस्तरां संचालकों ने खाने-पीने की वस्तुओं के दामों में 15 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी कर दी है। बढ़ती लागत के कारण कारोबारी कीमतें बढ़ाने को मजबूर हैं। शहर में नाश्ते से लेकर खाने की थाली तक की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है। कई स्थानों पर या तो उत्पाद बंद हो गए हैं या फिर उनके दाम में वृद्धि हो गई है। शुक्रवार को 19 किलोग्राम वाले व्यवसायिक गैस सिलेंडर पर 993 रुपये और पांच किलोग्राम वाले छोटे सिलेंडर पर 261 रुपये की हुई बढ़ोतरी ने शहर के छोटे-बड़े सभी खाद्य व्यवसायों की चिंता बढ़ा दी है।

रेस्तरां संचालकों का कहना है कि गैस सिलेंडर के दामों में लगातार वृद्धि के चलते उनकी लागत बढ़ गई है। इसके साथ ही गैस की आपूर्ति भी नियमित नहीं हो पा रही है। इसका सीधा असर ग्राहकों की जेब पर पड़ा है। लस्सी के दामों में 20 से 25 प्रतिशत तक वृद्धि हुई है। वहीं, समोसा, ब्रेड पकोड़ा और सामान्य थाली भी महंगी हो गई है। कई जगहों पर थाली के दामों में 10 से 15 प्रतिशत तक का इजाफा देखा जा रहा है।

गैस की कमी और बढ़ती लागत

फूड प्रोफेशनल्स वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष केसरी कुमार मिश्र ने बताया कि कुछ रेस्तरां संचालकों ने गैस की कमी और बढ़ती लागत के कारण डोसा और चिल्ली पोटैटो जैसे व्यंजन बनाना अस्थायी रूप से बंद कर दिया है। उनका कहना है कि इन व्यंजनों में गैस की खपत अधिक होती है, जिससे लागत और बढ़ जाती है। गैस आपूर्ति में कमी का प्रभाव शादी जैसे आयोजनों पर भी पड़ रहा है।

कैटरिंग उद्योग पर प्रभाव

गाजियाबाद कैटरिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष अशोक चावला ने बताया कि जिले में करीब दो हजार बैंक्वेट हॉल, मैरिज होम संचालित किए जाते हैं। संचालकों का कहना है कि पुरानी बुकिंग को पूरा करने में दिक्कतें आ रही हैं, वहीं नई बुकिंग लेने के लिए दाम दो से तीन प्रतिशत तक बढ़ाए गए हैं। छोटे सिलेंडर लेने में श्रमिक हिचकिचा रहे हैं, क्योंकि उनके दाम भी बढ़ गए हैं। इससे उनके दैनिक जीवन और छोटे कारोबार प्रभावित हो रहे हैं।

विकास भवन व एमएमजी अस्पताल की कैंटीन के संचालन में दिक्कत

विकास भवन में संचालित कैंटीन की संचालक सुनीता कसाना बताती हैं कि पिछले एक महीने से गैस की किल्लत चल रही है, अब आधा काम चूल्हा जलाकर किया जा रहा है। रोटी, सब्जी, दाल को चूल्हे पर तैयार किया जाता है। वहीं, चाय, ब्रेड पकोड़ा साथ ही खाने को गर्म करने के लिए गैस की आवश्यकता होती थी, उसके लिए एक व्यवसायिक गैस का सिलेंडर लेकर गुजारा कर रहे थे। अब अचानक से गैस सिलेंडर के दाम में बढ़ोतरी कर दी गई है। इससे कैंटीन के संचालन में दिक्कत आ रही है। जिला अस्पताल में कैंटीन का संचालन करने वाली भारत बताती हैं कि खाने बनाने में दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है।

सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने वाले 317 लोगों पर कार्रवाई

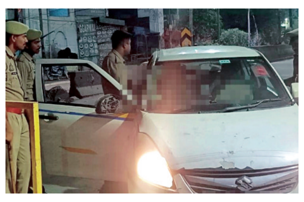

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। गाजियाबाद की ग्रामीण जोन पुलिस ने सार्वजनिक स्थलों पर शराब पीने वालों के खिलाफ अभियान चलाया। 58 स्थानों पर एक साथ कार्रवाई करते हुए 918 लोगों की जांच की गई। 317 लोगों के खिलाफ चालान किए गए। डीसीपी ने कहा कि यह कार्रवाई जारी रहेगी, क्योंकि सार्वजनिक स्थलों पर शराब पीने से असुरक्षा और विवाद की स्थिति बनती है। पुलिस अभियान का विवरण गाजियाबाद, योगेन्द्र सागर। कमिश्नरेट की ग्रामीण जोन पुलिस ने सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने वालों के खिलाफ शनिवार को व्यापक स्तर पर अभियान चलाकर सख्ती का संदेश दिया। जोन के सभी थानों की पुलिस द्वारा एक साथ की गई कार्रवाई के दौरान पुलिस ने 317 लोगों के खिलाफ चालान कर कार्रवाई की। अधिकारियों का कहना है कि यह कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। **सघन चेकिंग अभियान** : डीसीपी ग्रामीण सुरेंद्र नाथ तिवारी ने बताया कि पुलिस आयुक्त के निर्देश पर ग्रामीण जोन पुलिस द्वारा दो मई को शाम छह बजे से रात दस बजे तक यह सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के लिए जोन में पहले से 58 स्थानों को चिन्हित किया गया था, जहां एक साथ पुलिस टीमें तैनात की गईं। इन स्थानों में शराब के ठेकों के आसपास के इलाके, मुख्य सड़कें, बाजार क्षेत्र और सार्वजनिक स्थल शामिल रहे।

खोड़ा में चला विशेष अतिक्रमण हटाओ अभियान, मुख्य मार्ग से हटाए अवैध कब्जे

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। नगर पालिका परिषद खोड़ा मकनपुर द्वारा रविवार को वार्ड-31 लोकप्रिय विहार में विशेष अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। यह अभियान इतवार बाजार पुस्ते से इतवार बाजार टी-प्वाइंट तक मुख्य मार्ग पर नगर पालिका की स्वच्छ भारत मिशन टीम और पुलिस प्रशासन द्वारा संयुक्त रूप से चलाया गया। अभियान के दौरान सड़क किनारे लगाए गए अवैध खोखे, ठेले, अस्थाई दुकानें और रेहड़ी-पटरी हटाई गईं।

नगर पालिका अधिशासी अधिकारी शैलेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि मुख्य मार्ग पर लगातार बढ़ रहे अतिक्रमण से जाम की समस्या गंभीर हो रही थी। स्थानीय लोगों की शिकायतों और जन-सुविधा को ध्यान में रखते हुए यह कार्रवाई की गई। खोड़ा थाना प्रभारी नरेश कुमार शर्मा पुलिस बल के साथ मौजूदगी में अभियान शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ। अधिकारियों ने दुकानदारों को चेतावनी दी कि दोबारा अतिक्रमण करने पर सामान जब्त कर जुमार्ना लगाया जाएगा। उन्होंने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन के तहत बाजारों और मुख्य मार्गों को अतिक्रमण मुक्त बनाना प्राथमिकता है। स्थानीय निवासियों ने नगर पालिका की इस कार्रवाई का स्वागत किया और नियमित निगरानी की मांग की ताकि भविष्य में दोबारा अतिक्रमण न हो।

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। भाजपा के मंडल अध्यक्ष महिम गुप्ता तीर्थ स्थल पर जाना नहीं भूलते। वह अपनी आस्था और श्रद्धा के भाव को फेसबुक पर साझा करते हैं। महिम गुप्ता जब बांके बिहारी जी के दर्शन करने के लिए गए तो उन्होंने इस पल को फेसबुक पोस्ट पर साझा किया। उनकी यह पोस्ट बनी करंट क्राइम पोस्ट ऑफ द डे।

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। चिंटू जी की गुस्ताखियां माफ हों.. नोट : चिंटू जी कॉलम अखबार में ही प्रकाशित होता है। इस किरदार का सोशल मीडिया पर अखबार से अतिरिक्त डाली गई पोस्ट से कोई संबंध नहीं है।

दयानंद पार्क में जन-समस्याओं पर बैठक, पप्पू पहलवान ने सुनीं शिकायतें

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। शालीमार गार्डन वार्ड-78 विस्तार प्रथम के दयानंद पार्क में शनिवार निवर्तमान महानगर महामंत्री पप्पू पहलवान के नेतृत्व में जन-समस्याओं एवं विकास कार्यों की समीक्षा बैठक हुई।

बैठक में ग्रीन हाईवे, सद्भावना मार्ग, गुलमोहर, दयानंद पार्क, रोज पार्क, आस्था, राधा कृष्ण पार्क, महाराणा प्रताप वाटिका, कृष्णा सोसाइटी सहित सभी आरडब्ल्यूए पदाधिकारी व स्थानीय नागरिक मौजूद रहे। पार्कों-गलियों में सफाई, क्षतिग्रस्त सड़कें, जाम, नालियों की सफाई, बंद स्ट्रीट लाइट, पार्कों में अंधेरा, असामाजिक तत्वों की सक्रियता और बढ़ती चैन स्नैचिंग-मोबाइल चोरी पर चर्चा हुई। शालीमार गार्डन चौकी इंचार्ज से पुलिस गश्त बढ़ाने का आग्रह किया गया।

चल रहे विकास कार्यों के लिए पप्पू पहलवान का आभार जताया गया और लंबित कार्यों को शीघ्र शुरू कराने का अनुरोध किया गया।

इस मौके पर डीएन कौल, सुनील त्यागी, अशोक भान, प्रवीन शर्मा, राजन कुमार, भूषण लाल टिगलू, भूपेंद्र गोस्वामी, जगदीश सती, अविनाश, अखिलेश उपाध्याय आदि लोग मौजूद रहे।

होर्मुज की नाकेबंदी के बाद सस्ता होगा तेल, इस फैसले से दुनिया को मिलेगी राहत

रियाद। पश्चिम एशिया में भारी तनाव और होर्मुज की नाकेबंदी के बीच ओपेक+ देशों ने एक बड़ा फैसला लिया है। इससे दुनिया को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। हालांकि, यूएई ओपेक प्लस से बाहर हो गया है, जो संगठन के लिए तगड़ा झटका है।

पश्चिम एशिया में इस वक्त भारी तनाव का माहौल है। होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद कर दिया गया है। इस बड़े संकट के बीच, तेल निर्यातक देशों के समूह ओपेक+ ने एक बड़ा फैसला लिया है। ओपेक प्लस ने सैद्धांतिक रूप से जून महीने में अपना कच्चे तेल का उत्पादन लक्ष्य बढ़ाने पर अपनी पूरी सहमति दे दी है। यह कदम दुनिया भर में तेल की कीमतों को काबू में रखने के लिए उठाया गया है। पिछले हफ्ते, यूएई ने ओपेक और ओपेक प्लस समूह से पूरी तरह बाहर होने की घोषणा कर दी थी। सऊदी अरब के नेतृत्व वाले इस तेल निर्यातक समूह के लिए यूएई का यह फैसला एक बहुत बड़ा झटका माना जा रहा है।

यूएई ने कहा है कि यह कड़ा फैसला उसकी लंबी अवधि की रणनीतिक और आर्थिक दृष्टि को ध्यान में रखकर लिया गया है। यूएई के बाहर होने से यह समूह ऐसे समय में कमजोर होगा जब होर्मुज की नाकेबंदी के कारण खाड़ी देशों का निर्यात पहले ही बुरी तरह प्रभावित हो चुका है। आपको बता दें कि ओपेक के कुल तेल निर्यात में यूएई की बहुत बड़ी हिस्सेदारी थी, जो लगभग 15 प्रतिशत थी।

नाकेबंदी के बीच कुवैत-ईरान के तेल निर्यात कैसा?

यूएई के जाने के बाद अब ओपेक प्लस में ईरान सहित कुल 21 सदस्य देश बचे हैं। होर्मुज की नाकेबंदी के कारण खुद ईरान के अपने तेल निर्यात में भी बहुत भारी गिरावट आई है। वहीं, कुवैत की स्थिति सबसे खराब है क्योंकि अप्रैल में कुवैत ने शून्य (जीरो) बैरल कच्चा तेल निर्यात किया है।

कच्चे तेल की कीमतों पर क्या असर पड़ा?

एक तरफ तेल का संकट गहरा रहा है, तो दूसरी तरफ कीमतों में अचानक गिरावट भी देखने को मिली है। कुछ रिपोर्टों में दावा किया गया है कि ईरान ने पाकिस्तान को मध्यस्थ (बिचौलिया) बनाकर अमेरिका के साथ नई बातचीत का प्रस्ताव दिया है। इस खबर के बाजार में आते ही कच्चे तेल की कीमतें धड़ाम से गिर गईं। वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट की कीमत 5 प्रतिशत से ज्यादा गिरकर 100 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आ गई, जो बाद में थोड़ी सुधरकर 101.7 डॉलर हो गई। इसी तरह ब्रेंट क्रूड भी 3 प्रतिशत से ज्यादा गिरकर 106.98 डॉलर पर आ गया था, जो बाद में फिर से बढ़कर 108.4 डॉलर तक पहुंच गया।

उत्पादन पर आधिकारिक आंकड़े?

हालांकि ओपेक प्लस में 21 सदस्य हैं, लेकिन हर महीने उत्पादन का फैसला केवल सात देश (और पहले यूएई) ही लेते रहे हैं। आंकड़ों के मुताबिक, मार्च के महीने में सभी ओपेक प्लस सदस्यों का औसत कच्चा तेल उत्पादन 3.50 करोड़ (35.06 मिलियन) बैरल प्रतिदिन रहा। यह आंकड़ा फरवरी के महीने के मुकाबले काफी कम रहा है। फरवरी की तुलना में मार्च में तेल उत्पादन में 77 लाख (7.70 मिलियन) बैरल प्रतिदिन की भारी गिरावट दर्ज की गई थी।

'किंग्स्टन पहुंचकर खुशी हुई', तीन कैरिबियाई देशों की यात्रा के पहले चरण में जमैका पहुंचे जयशंकर

किंग्स्टन (जमैका)। तीन कैरिबियाई देशों की यात्रा के पहले चरण में विदेश मंत्री एस जयशंकर आज जमैका पहुंचे, जहां उनकी समकक्ष कामिना जे स्मिथ ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। विदेश मंत्री जमैका के नेतृत्व और व्यापार जगत के दिग्गजों के साथ बैठक करेंगे। इसके अलावा, प्रवासी भारतीयों से भी मुलाकात करेंगे।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर शनिवार को जमैका पहुंचे। यह उनकी इस कैरिबियाई देश की पहली आधिकारिक यात्रा है। इस दौरान वह जमैका के नेतृत्व, व्यापार जगत और भारतीय मूल के लोगों से मुलाकात करेंगे।

किंग्स्टन पहुंचने पर जयशंकर ने क्या कहा?

जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, किंग्स्टन पहुंचकर बहुत खुशी हुई। यह मेरी जमैका की पहली यात्रा है। उन्होंने आगे कहा, विदेश मंत्री कामिना जे स्मिथ की ओर से किए गए गर्मजोशी भरे स्वागत से मैं प्रभावित हूं। उन्होंने यह भी कहा कि वह इस दो दिवसीय यात्रा के दौरान कई अहम बैठकों के लिए उत्साहित हैं। उन्होंने लिखा, अगले दो दिनों में मैं जमैका के नेताओं, व्यापार समुदाय और भारतीय प्रवासी लोगों से मिलने की प्रतीक्षा कर रहा हूं। इससे पहले, अपने कैरिबियाई दौरे के दौरान विदेश मंत्री जयशंकर ने स्विट्जरलैंड के ज्यूरिख में एक छोटा सा ठहराव किया। वह इस समय जमैका, सूरीनाम और त्रिनिदाद और टोबैगो की तीन देशों की आधिकारिक यात्रा पर हैं।

विदेश मंत्रालय के अनुसार, यह यात्रा 2 मई से 10 मई तक चलेगी। मंत्रालय ने बताया कि यह दौरा भारत और इन देशों के बीच ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंधों को और मजबूत करेगा, खासकर गिरमिटिया समुदाय की वजह से। मंत्रालय ने कहा कि यह यात्रा भारत के इन देशों के साथ राजनीतिक संबंधों को और मजबूत करने और लंबे समय से चले आ रहे मित्रतापूर्ण संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए है। यह यात्रा दक्षिण-दक्षिण सहयोग और विकास के प्रति साझा प्रतिबद्धता को भी दर्शाती है।

दर्दनाक हादसा: नाव में दम घुटने से दो महिलाओं की मौत, 16 लोग घायल

बेहतर भविष्य की तलाश या मौत का सफर

पेरिस। ? क्षमता से अधिक भरी नावों में दम तोड़ते लोग और समुद्री लहरों के बीच उठते सवाल प्रशासन की सख्ती को चुनौती दे रहे हैं। फ्रांस से इंग्लिश चैनल पार कर ब्रिटेन जाने की कोशिश कर रहे प्रवासियों के साथ जो हादसा हुआ है

फ्रांस से इंग्लिश चैनल पार कर ब्रिटेन जाने की कोशिश कर रहे प्रवासियों के साथ एक बड़ा हादसा हो गया है। उत्तरी फ्रांस के समुद्र तट पर एक छोटी नाव के दुर्घटनाग्रस्त होने से दो महिलाओं की मौत हो गई और 16 लोग घायल हो गए। अधिकारियों के अनुसार, घायलों में से तीन लोग गंभीर रूप से झुलस गए हैं।

दम घुटने से गई जान

समाचार एजेंसी एपी को पास-दे-कैलेस प्रांत के महासचिव क्रिस्टोफ मार्क्स ने बताया कि यह नाव 82 लोगों को लेकर रात के समय हार्दलोट बीच से रवाना हुई थी। बंदरगाह शहर बूलोन-सुर-मेर से कुछ किलोमीटर दक्षिण में नाव का इंजन फेल हो गया और वह लहरों के साथ बहने लगी। फ्रांसीसी समुद्री पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए 17 लोगों को बचाया, जबकि बाकी 65 लोगों के साथ नाव किनारे पर आ फंसी।

महासचिव मार्क्स ने बताया कि मृत पाई गई दोनों महिलाएं सूडान की रहने वाली थीं और उनकी उम्र 20 वर्ष के आसपास थी। उनकी मौत दम घुटने या दबने के कारण हुई है। उन्होंने कहा, 'जैसा कि अक्सर क्षमता से अधिक भरी हुई नावों में होता है, लोग एक-दूसरे के नीचे दब जाते हैं या उनका दम घुटने लगता है।'

ईंधन से झुलसे लोग

इस हादसे में घायल हुए लोगों में से तीन की स्थिति बेहद नाजुक बनी हुई है। यह पिछले एक महीने में इंग्लिश चैनल पार करने के दौरान हुई तीसरी बड़ी जानलेवा घटना है। इससे पहले भी दो अलग-अलग हादसों में कई प्रवासियों की मौत हो चुकी है, जिसमें एक सूडानी नागरिक को गिरफ्तार भी किया गया था।

ब्रिटेन और फ्रांस के बीच हुआ समझौता

हाल ही में ब्रिटेन और फ्रांस के बीच प्रवासियों की संख्या कम करने के लिए एक बड़ा समझौता हुआ है, जिसके तहत निगरानी और पुलिस गश्त बढ़ाई गई है। इस साल अब तक 6,000 से अधिक प्रवासी ब्रिटेन पहुंचे हैं, जो पिछले साल की तुलना में 36 प्रतिशत कम है। हालांकि, सहायता समूह 'यूटोपिया 56' का दावा है कि पिछले तीन वर्षों में इस सीमा पर 172 लोगों की जान जा चुकी है।

इराक ने सीरिया के रास्ते शुरू किया तेल निर्यात, होर्मुज नाकाबंदी के बीच बड़ा कदम

बगदाद। इराक ने सीरिया के अल-यारूबियाह बॉर्डर क्रॉसिंग के जरिए तेल निर्यात फिर से शुरू कर दिया है। 70 टैंकरों का एक काफिला इस रास्ते से सीरिया में दाखिल हुआ, जो पिछले 14 वर्षों में इस मार्ग से पहला ऐसा शिपमेंट है। सीरिया की सरकारी समाचार एजेंसी एसएएनए के अनुसार, काफिले ने भूमध्यसागर तट पर स्थित बानियाज रिफाइनरी का रुख किया।

अल-यारूबियाह क्रॉसिंग पर तैनात सीरियाई अधिकारियों ने कहा '14 साल बाद इस क्रॉसिंग का फिर से खुलना इराक और सीरिया के बीच आर्थिक संबंधों को मजबूत करने की एक रणनीतिक पहल है।' उन्होंने यह भी जोड़ा कि इससे व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति को अधिक प्रभावी ढंग से सुगम बनाया जा सकेगा और दोनों देशों के बीच दीर्घकालिक साझेदारी विकसित होगी।

यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब इराक अपने तेल निर्यात के लिए वैकल्पिक मार्ग तलाश रहा है, क्योंकि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज, अमेरिका-इस्राइल और ईरान के तनाव के चलते बंद है।

यह बॉर्डर क्रॉसिंग, जिसे इराक में राबिया के नाम से जाना जाता है, 2011 में सीरियाई गृहयुद्ध शुरू होने के बाद बंद कर दी गई थी। बाद में 2014 में इस पर आईएसआईएल का कब्जा हो गया था, जिसे बाद में इराकी कुर्द बलों ने वापस ले लिया।

इस बीच, सीरिया पेट्रोलियम कंपनी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए परिचालन क्षमता बढ़ाने की बात कही है। उनके मुताबिक आपूर्ति की गति तेज करने के लिए अहम कदम उठाए गए हैं। बनियाज रिफाइनरी पर तकनीकी और इंजीनियरिंग कार्यों के बाद अब रोजाना लगभग 500 इराकी टैंकरों को अनलोड किया जा रहा है। इन सुधारों से रिफाइनरी की परिचालन क्षमता में करीब 30 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है।

ट्रंप ने यूएफओ फाइल्स को जारी करने का दिया संकेत

वॉशिंगटन। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पेंटागन की तरफ से कुछ 'बहुत दिलचस्प' यूएफओ की फाइलों को जारी करने का संकेत दिया है। उनकी घोषणा से एलियन लाइफ के सवालों पर नई अटकलों का दौर शुरू हो गया है। ट्रंप ने फरवरी में संघीय एजेंसियों को एलियन लाइफ और यूएफओ से संबंधित रिकॉर्ड जारी करने का निर्देश दिया था।

उन्होंने नासा के अंतरिक्ष यात्रियों के सम्मान में एक कार्यक्रम में बुधवार को कहा कि बहुत सी चीजें जारी की जाएंगी जो लोगों के लिए दिलचस्प होंगी। ट्रंप ने खुद को रहस्य उजागर करने वाले राष्ट्रपति के रूप में पेश किया है।

उन्होंने पहले जॉन एफ कैनेडी और मार्टिन लूथर किंग जूनियर की हत्याओं से संबंधित रिकॉर्ड जारी करने का आदेश दिया था। हालांकि, उन खुलासों से पहले से ज्ञात जानकारी से ज्यादा कुछ सामने नहीं आया था।

'समुद्री डकैती को सामान्य बनाने की कोशिश'

तेहरान। ईरान ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के समुद्री डकैती वाले बयान की कड़ी आलोचना करते हुए इसे अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन बताया और संयुक्त राष्ट्र से हस्तक्षेप की मांग की। यह प्रतिक्रिया फ्लोरिडा में ट्रंप के उस भाषण के बाद आई, जिसमें उन्होंने अमेरिकी नौसैनिक कार्रवाई का विवरण देते हुए जहाज और तेल माल जब्त करने की बात कही थी। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने रविवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की उस टिप्पणी की आलोचना की, जिसमें उन्होंने कहा था कि वह समुद्री लुटेरों (पायरेट्स) जैसे हैं। प्रवक्ता बघाई ने एक्स पर एक पोस्ट किया। इसमें उन्होंने लिखा, अमेरिकी राष्ट्रपति ने ईरानी जहाजों पर गैरकानूनी कब्जे को खुलेतौर पर 'समुद्री डकैती' बताया है और बेशर्मी से यह शेखी बघारी है कि हम समुद्री डाकुओं की तरह काम करते हैं।

डच राजकुमारियों पर हमले की साजिश नाकाम

अगले हफ्ते कोर्ट में पेश होगा आरोपी, कुल्हाड़ियों पर खुदे हुए थे नाम

हेग। नीदरलैंड की राजकुमारी अमालिया और उनकी बहन एलेक्सिया पर हमले की कथित साजिश के आरोप में एक 33 वर्षीय व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है, जिसे अगले हफ्ते अदालत में पेश किया जाएगा। अदालती दस्तावेजों के अनुसार आरोपी के पास से कुल्हाड़ियां बरामद की गईं, जिन पर अमालिया व एलेक्सिया का नाम खुदा हुआ था,

डच राजकुमारी अमालिया और उनकी बहन राजकुमारी एलेक्सिया पर कथित हमले की साजिश के मामले में एक व्यक्ति अगले हफ्ते अदालत में पेश किया जाएगा। अभियोजकों ने शुक्रवार को बताया कि आरोपी को कथित तौर पर हमले की साजिश के चलते हिरासत में लिया गया है।

अदालत से जुड़े दस्तावेजों के अनुसार, 33 वर्षीय व्यक्ति पर आरोप है कि उसने फरवरी में हेग में अमालिया (22 वर्षीय) और उनकी बहन एलेक्सिया (20 वर्षीय) पर हमले की तैयारी की थी। दस्तावेज में कहा गया है कि आरोपी के पास दो कुल्हाड़ियां मिलीं, जिन पर 'एलेक्सिया', 'मोसाद' और 'सिग हील' जैसे शब्द खुदे हुए थे। इसके अलावा, उसके पास एक हाथ से लिखा कागज भी था, जिसमें 'अमालिया', 'एलेक्सिया' और 'खूनखराबा' जैसे शब्द लिखे थे।

अभियोजक कार्यालय ने सोमवार को होने वाली प्रारंभिक सुनवाई से पहले मामले पर ज्यादा जानकारी देने से इनकार कर दिया है। आरोपी को कब और कहां गिरफ्तार किया गया, यह भी स्पष्ट नहीं किया गया है। डच गोपनीयता नियमों के तहत उसका नाम सार्वजनिक नहीं किया गया है।

राजकुमारी अमालिया को पहले भी मिल चुकीं धमकियां

राजकुमारी अमालिया को पहले भी धमकियों का सामना करना पड़ा है। साल 2022 में धमकियों के कारण उन्हें एम्सटर्डम में छात्र जीवन छोड़कर अपने माता-पिता के महल में रहना पड़ा था। उस समय रानी मैक्सिमा ने कहा था, अमालिया घर से बाहर नहीं निकल पा रही हैं, जिससे उनके जीवन पर बड़ा असर पड़ा है।

बालेंद्र शाह सरकार का बड़ा फैसला, खत्म कीं 1500 से अधिक नियुक्तियां, खाली हुए कई सरकारी पद

काठमांडू। नेपाल सरकार ने 1,500 से ज्यादा सरकारी नियुक्तियां रद्द कर दी हैं, जिन्हें राजनीतिक रूप से प्रेरित बताया गया है। यह कदम राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल के अध्यादेश के बाद उठाया गया। इससे कई सरकारी संस्थानों में पद खाली हो गए हैं और कामकाज पर असर पड़ने की आशंका है।

नेपाल की नई बालेंद्र शाह सरकार ने 1,500 से अधिक सरकारी नियुक्तियों को रद्द कर दिया है। इन नियुक्तियों को राजनीति से प्रेरित बताया जा रहा था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल की ओर से जारी एक अध्यादेश के बाद यह कदम उठाया गया है। अध्यादेश को मंत्रिपरिषद की सिफारिश पर लागू किया गया। ये सभी नियुक्तियां 26 मार्च से पहले की गई थीं, यानी देश में नेतृत्व परिवर्तन से पहले।

काठमांडू पोस्ट ने बताया कि इस अध्यादेश से 1,594 लोगों की नियुक्तियां समाप्त कर दी गई हैं। कई सरकारी पद खाली हो गए हैं। यह फैसला सार्वजनिक पदाधिकारियों को हटाने से संबंधित विशेष प्रावधान के तहत लिया गया है।

जेन-जी प्रदर्शनों के बाद हुआ सत्ता परिवर्तन

रिपोर्ट के अनुसार, बालेंद्र शाह के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) ने कहा कि यह कदम पिछली सरकारों में की गई रानजीतिक नियुक्तियों को खत्म करने के लिए उठाया गया है। इससे पहले सितंबर 2025 के जेन-जी प्रदर्शनों के बाद राजनीतिक परिवर्तन हुआ था और बाद में अंतरिम सरकार बनी थी। अंतरिम सरकार का नेतृत्व देश के पहली महिला चीफ जस्टिस सुशीला कार्की ने किया था।

कई सरकारी संस्थानों पर लागू हुआ अध्यादेश

माय रिपब्लिका ने बताया कि यह आदेश कई सरकारी संस्थानों पर लागू हुआ है। इनमें नेपाल विद्युत प्राधिकरण, त्रिभुवन विश्वविद्यालय, बीपी कोइराला चिकित्सा विज्ञान संस्थान, नेपाल एयरलाइंस निगम और गोरखापात्र संस्थान शामिल हैं।

सरकारी सेवाओं पर असर पड़ने की आशंका

इस फैसले से संभावना जताई जा रही है कि इससे शिक्षा, स्वास्थ्य और सरकारी सेवाओं पर असर पड़ेगा, क्योंकि कई जगहों पर नेतृत्व और हस्ताक्षर करने वाले अधिकारी नहीं हैं। सरकार ने अभी तक नई नियुक्तियों के लिए कोई स्पष्ट समय या प्रक्रिया नहीं बताई है।

नौसेना प्रमुख का म्यांमार दौराः गार्ड ऑफ ऑनर के साथ हुआ स्वागत, यूएमएस क्यान सित थार का किया निरीक्षण

नेपीडॉ। नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी का म्यांमार में गार्ड ऑफ ऑनर के साथ स्वागत किया गया। इसके साथ ही उन्होंने फ्रिगेट यूएमएस क्यान सित थार पर जाकर वहां की नौसैनिक क्षमता और स्वदेशी निर्माण व्यवस्था की जानकारी ली। दोनों देशों के बीच समुद्री सहयोग और हिंद महासागर क्षेत्र में सुरक्षा मजबूत करने पर भी चर्चा हुई।

भारतीय नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी ने अपनी म्यांमार यात्रा दौरान दोनों देशों के बीच समुद्री सहयोग को नई दिशा देने पर जोर दिया। उनका यह दौरा हिंद महासागर क्षेत्र में सुरक्षा और स्थिरता को मजबूत करने के मकसद से अहम माना जा रहा है। इस दौरान उन्होंने म्यांमार नौसेना के फ्रिगेट यूएमएस क्यान सित थार पर सवार होकर वहां की स्वदेशी जहाज निर्माण क्षमता और नौसेना बेड़े की ताकत के बारे में जानकारी ली।

नौसेना ने बयान में क्या कहा?

भारतीय नौसेना ने एक्स पर लिखा, म्यांमार की यात्रा के हिस्से के रूप में नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी ने 2 मई 2026 को म्यांमार नौसेना के फ्रिगेट यूएमएस क्यान सित थार (एफ12) पर सवार हुए। इस दौरान सम्मान और गार्ड ऑफ ऑनर के साथ उनका स्वागत किया गया। जहाज पर उनकी अगवानी कैप्टन क्याव थेत नाइंग ने की, जो म्यांमार नौसेना के नंबर-1 फ्लीट कमांडर हैं।

म्यांमार नौसेना की स्वदेशी जहाज निर्माण क्षमता का किया अवलोकन

यात्रा के दौरान नौसेना प्रमुख को म्यांमार नौसेना की स्वदेशी जहाज निर्माण क्षमता के बारे में जानकारी दी गई। उन्हें बेड़े की क्षमताओं और कामकाज का भी विस्तार से परिचय कराया गया। इस बातचीत में दोनों नौसेनाओं के बीच बढ़ते सहयोग पर भी चर्चा हुई।

समुद्री सुरक्षा मजबूत करने पर चर्चा

भारतीय नौसेना ने कहा, दोनों नौसेनाओं के बीच द्विपक्षीय और बहुपक्षीय सहयोग और हिंद महासागर क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा को मजबूत करने के उपायों पर भी बात हुई। इसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच साझा समुद्री सुरक्षा और बेहतर तालमेल को और मजबूत करना है।

अमेरिका की नाक के नीचे से ईरान ने निकाला अपना 'सुपर टैंकर'

होर्मुज से दो हजार करोड़ का तेल किया पार

तेहरान। रान के एक सुपरटैंकर ने अमेरिकी नौसेना की समुद्री नाकेबंदी को चकमा दे दिया है और वह एशिया-प्रशांत क्षेत्र तक पहुंच गया है। मॉनिटरिंग फर्म 'टैंकरट्रैकर्सडॉटकॉम' के अनुसार, यह जहाज 1.9 मिलियन बैरल कच्चा तेल लेकर जा रहा है। अमेरिका ने 13 अप्रैल को नाकेबंदी शुरू की थी। आइए, जानते हैं आखिर कैसे ईरान ने अमेरिका को इतना बड़ा चकमा दे दिया।

समंदर में अमेरिका और ईरान के बीच एक बड़ी लुकाछिपी का खेल चल रहा है। एक ताजा रिपोर्ट ने दुनिया भर में हलचल मचा दी है। मॉनिटरिंग फर्म 'टैंकरट्रैकर्सडॉटकॉम' ने दावा किया है कि ईरान का एक बहुत बड़ा तेल का जहाज अमेरिकी नौसेना की सख्त नाकेबंदी को चकमा देकर बाहर निकल गया है। यह जहाज अब एशिया-प्रशांत क्षेत्र में पहुंच गया है।

इस घटना से अमेरिका की पहरेदारी पर कई सवाल खड़े हो रहे हैं। यह इस बात का संकेत है कि समंदर में दोनों देशों के बीच तनाव अपने चरम पर है।

दरअसल, अमेरिका ने ईरान को आर्थिक नुकसान पहुंचाने के लिए उसके तेल व्यापार पर रोक लगाने की कोशिश की है। इसके लिए अमेरिकी नौसेना ने समंदर में कड़ी नाकेबंदी कर रखी है। लेकिन, ट्रैकिंग फर्म की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान का एक विशाल जहाज अमेरिका की इस नाकेबंदी को भेदने में सफल रहा है। यह जहाज कोई छोटा-मोटा जहाज नहीं है, बल्कि यह अपने अंदर लाखों बैरल कच्चा तेल लेकर जा रहा है। इस घटना ने यह दिखा दिया है कि ईरान अपने तेल को बेचने के लिए नए-नए और छुपे हुए रास्ते निकाल रहा है।

नाकेबंदी को लेकर अमेरिका और ईरान के क्या हैं दावे?

ईरानी सरकारी मीडिया ने 29 अप्रैल को दावा किया था कि उनके कम से कम 52 जहाज अमेरिकी नाकेबंदी को तोड़ने में सफल रहे हैं। वहीं, अमेरिकी सेना के अधिकारियों का कहना है कि जब से नाकेबंदी शुरू हुई है, तब से उन्होंने ईरान से जुड़े करीब 41 जहाजों को वापस लौटने पर मजबूर किया है।

अमेरिकी अधिकारियों का मानना है कि उनकी यह नाकेबंदी काफी असरदार और प्रभावी साबित हो रही है। अमेरिका का कहना है कि इसके कारण ईरान अपना तेल निर्यात करने में असमर्थ हो रहा है और उसे तेल को स्टोर करने या उत्पादन रोकने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है।

ईरान को अब तक कितना नुकसान

शनिवार को न्यूज वेबसाइट एक्सियोस ने कुछ अधिकारियों के हवाले से एक बड़ी खबर प्रकाशित की। इस रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अमेरिका की इस समुद्री नाकेबंदी के कारण ईरान को काफी भारी आर्थिक नुकसान झेलना पड़ा है। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय यानी पेंटागन के आकलन के मुताबिक, इस नाकेबंदी से ईरान को लगभग 4.8 अरब डॉलर का नुकसान हुआ है। अगर इसे भारतीय रुपयों में देखा जाए, तो यह नुकसान करीब 456 अरब रुपए (45,600 करोड़ रुपए) के तेल राजस्व का है।

कितने डॉलर का तेल लेकर निकला ईरानी जहाज?

- मॉनिटरिंग फर्म 'टैंकरट्रैकर्सडॉटकॉम' के मुताबिक, ईरान का यह जहाज करीब 1.9 मिलियन बैरल कच्चा तेल लेकर वहां से निकला है।
- इस भारी मात्रा में मौजूद तेल की कीमत लगभग 220 मिलियन डॉलर आंकी गई है।
- इस विशाल जहाज (वेरी लार्ज क्रूड कैरियर या वीएलसीसी) का संबंध 'नेशनल इरानियन टैंकर कंपनी' से बताया जा रहा है।
- ट्रैकिंग फर्म ने जानकारी दी है कि इस खास जहाज की पहचान 'ह्यूज' नाम से की गई है।

04 May -26 page 8 03-05-2026 10:49 PM Page 1

गाजियाबाद नगर निगम
Ghaziabad Nagar Nigam
(ISO 9001, 14001 व 18001 प्रमाणित संस्था)
गाजियाबाद विकास प्राधिकरण
GHAZIABAD DEVELOPMENT AUTHORITY
غازی آباد ڈویلپمنٹ اتھارٹی

राम अवतार जिंदल के सफल आयोजन में जिंदल पब्लिक स्कूल में सजी ऑल इंडिया कराटे चैंपियनशिप
आचार्य प्रमोद कृष्णम, डीपी यादव, अजीत पाल त्यागी, संजीव शर्मा व अनिल अग्रवाल रहे मौजूद

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। जिंदल पब्लिक स्कूल में ऑल डंडिया कराटे प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। इस प्रतियोगिता में कराटे खिलाड़ियों ने अपने खेल कौशल का परिचय दिया। इस अवसर पर सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के व्यापार प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष तथा शिक्षाविद डा. रामअवतार जिंदल ने सभी का स्वागत किया। इस अवसर पर पूर्व मंत्री डीपी यादव, कल्कि पीठाधीश्वर आचार्य प्रमोद कृष्णम, विधायक अजितपाल त्यागी, विधायक संजीव शर्मा, पूर्व सांसद डा. अनिल अग्रवाल, दैनिक करंट क्राइम के सम्पादक मनोज गुप्ता, दैनिक करंट क्राईम के समाचार सम्पादक दीपक भाटी मुख्य रूप से मौजूद रहे। कराटे प्रतियोगिता में विजेताओं को पुरूस्कार भी वितरित किये गये।